RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | sabsetejprj2023@gmail.com | शुक्रवार , 12 जून 2026 | वर्ष: 04, अंक: 85 पृष्ठ: 08, मूल्य: 2 रू. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

केंद्र और राज्य देंगे विकसित भारत के साझा लक्ष्य को गति: मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नीति आयोग की 11वीं शासी परिषद की बैठक की अध्यक्षता की, पीएम का जल संरक्षण और जैविक खेती को बढ़ावा देने का आह्वान

नई दिल्ली
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि केंद्र और राज्य विकास के साझेदार के रूप में मिलकर कार्य करें तो भारत विकसित भारत के साझा लक्ष्य की दिशा में और अधिक तेजी से आगे बढ़ सकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नीति आयोग की 11वीं शासी परिषद की बैठक की अध्यक्षता की। नीति आयोग की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री ने बैठक में कहा कि दुनिया इस समय अनिश्चितता और अस्थिरता के दौर से गुजर रही है, लेकिन भारत आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प के साथ अपनी विकास यात्रा को आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य की ओर बढ़ते हुए सभी की सामूहिक जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि राज्यों के बीच सहयोग, संवाद और अनुभवों का आदान-प्रदान विकास का आधार होना चाहिए। उन्होंने कहा कि नीति आयोग राज्यों के बीच समन्वय और सहयोग को बढ़ावा देने वाला एक प्रभावी मंच बन सकता है। राज्य एक-दूसरे के अनुभवों से सीखते हुए विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में मिलकर कार्य कर सकते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते किए हैं, जिनसे विकास और निर्यात के नए अवसर पैदा हुए हैं। उन्होंने कहा कि ये समझौते सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए भी वैश्विक बाजारों में प्रवेश का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करते हैं। इसके लिए उन्हें अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप अपनी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ानी होगी। उन्होंने कहा कि भारत की जनसांख्यिकीय शक्ति एक ऐतिहासिक अवसर है। इसे खोया नहीं जा सकता।

नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल बैठक में हरियाणा की बड़ी भागीदारी

नई दिल्ली/जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में राष्ट्रपति भवन में आयोजित नीति आयोग की शासी परिषद की 11वीं बैठक में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान के विकास का व्यापक रोडमैप प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार युवा शक्ति, निवेश संवर्धन, कृषि समृद्धि, महिला सशक्तीकरण, हरित ऊर्जा और सुशासन को आधार बनाकर वर्ष 2047 तक विकसित राजस्थान के लक्ष्य को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश आत्मनिर्भरता, नवाचार और समावेशी विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। इसी दिशा में राजस्थान भी विकसित भारत-2047 के संकल्प को गति देने के लिए लगातार कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार गरीब, युवा, किसान और महिलाओं को अपनी सभी योजनाओं एवं नीतियों के केंद्र में रखकर काम कर रही है।

गवर्निंग काउंसिल बैठक में हरियाणा की बड़ी भागीदारी

चंडीगढ़/नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में गुरुवार को नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन के कल्चरल सेंटर में नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की 11वीं बैठक आयोजित की गई। इस उच्च स्तरीय बैठक में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सहित विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने हिस्सा लिया।
बैठक को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि केंद्र और राज्य मिलकर 'टीम इंडिया' की भावना से काम करें, तभी विकसित भारत का लक्ष्य हासिल होगा। उन्होंने कौशल विकास, रोजगार, उद्यमिता और मानव संसाधन निर्माण पर विशेष ध्यान देने की जरूरत बताई। सैनी ने प्रदेश के और तकनीकी विकास से जुड़ी विभिन्न महत्वपूर्ण मांगों को पुरजोर तरीके से केंद्र के सामने रखा।

विनिर्माण क्षेत्र में तेजी लाने के लिए शिकायतों के निपटारे पर दिया जोर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में नीति आयोग की शाषी परिषद की 11वीं बैठक में विनिर्माण क्षेत्र में तेजी लाने के लिए शिकायतों को तेजी से निपटाने पर जोर दिया। नीति आयोग के उपाध्यक्ष अशोक कुमार लाहिड़ी ने बैठक के बाद यहां आयोजित एक प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पश्चिम एशिया में जारी संकट से पैदा हुई स्थिति के कारण किसी भी मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से सहायता नहीं मांगी है। अशोक कुमार लाहिड़ी ने कहा कि नीति आयोग की शाषी परिषद की 11वीं बैठक में सभी 28 राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल हुए। उन्होंने बताया कि हमें उनके महत्वपूर्ण सुझावों से लाभ मिला। लाहिड़ी ने कहा कि नीति आयोग शाषी परिषद की 11वीं बैठक का विषय विकसित भारत 2047 के लिए समावेशी मानव विकास' था और इसमें विस्तार से चर्चा हुई। समावेशी मानव विकास में जीवन के सभी चार चरण शामिल हैं, जिसमें बचपन और युवावस्था से लेकर कामकाजी उम्र और बुढ़ापे तक है।

भारत की विकास गाथा दुनिया को प्रेरित कर रही है: प्रधानमंत्री मोदी

पीएम कार्यालय के अनुसार बैठक में मुख्यमंत्रियों, उप-राज्यपालों व प्रशासकों ने प्रधानमंत्री मोदी को उनके पद पर 12 साल पूरे करने पर बधाई दी। उन्होंने वैश्विक भू-राजनीतिक संकट का सामना करने और ऊर्जा जरूरतों के मामले में भारत की मजबूती बढ़ाने और विकास की गति को बनाए रखने के लिए केंद्र के साथ एकजुटता भी व्यक्त की। प्रधानमंत्री ने कहा कि चर्चाएं रचनात्मक थीं और इनमें राज्यों की आकांक्षाओं, उम्मीदों, अनुभवों, बेहतरीन तौर-तरीकों और चुनौतियों की झलक मिली। प्रधानमंत्री ने बैठक में भाग लेने के लिए सभी मुख्यमंत्रियों, उप-राज्यपालों और प्रशासकों का आभार व्यक्त किया और भरोसा जताया कि सहयोग, इनोवेशन और विकास के प्रति साझा प्रतिबद्धता के जरिए भारत 2047 तक 'विकसित भारत' की अपनी यात्रा को तेज कर सकता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि ऐसे समय में जब कई बड़ी अर्थव्यवस्थाएं अनिश्चितता और आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रही हैं।

वस्त्र क्षेत्र में तीन वर्षों में लगभग दो करोड़ अतिरिक्त रोजगार सृजित करने की उम्मीद: गिरिराज सिंह

नई दिल्ली/एजेंसी
केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने गुरुवार को पिछले 12 वर्षों में वस्त्र मंत्रालय की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में वस्त्र और परिधान क्षेत्र में अगले 3 वर्षों में लगभग 2 करोड़ अतिरिक्त रोजगार सृजित करने की उम्मीद है। गिरिराज सिंह ने आज दिल्ली स्थित नेताजी नगर में संवाददाता सम्मेलन के दौरान मीडिया को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा, "वस्त्र और परिधान क्षेत्र वर्तमान में 53 लाख से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार प्रदान करता है। पिछले 12 वर्षों की उपलब्धियां भारत को कम लागत वाले उत्पादक से डिजाइन-आधारित, नवाचार-संचालित, टिकाऊ और निर्यात-उन्मुख वैश्विक वस्त्र केंद्र में बदलने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।" उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के 5एफ विजन (खेत से रेशा, रेशा से कारखाना, कारखाना से फैशन और फैशन से विदेश) के मार्गदर्शन में यह क्षेत्र किसानों, निर्माताओं, बुनकरों, कारीगरों और निर्यातकों को जोड़ने वाली एक मजबूत और एकीकृत मूल्य श्रृंखला के रूप में विकसित हुआ है।

4

1

कलकत्ता हाई कोर्ट ने स्पीकर का आदेश मांगा, नेता प्रतिपक्ष बने रहेंगे ऋतब्रत

कोलकाता/एजेंसी
पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता फिलहाल ऋतब्रत बनर्जी बने रहेंगे। पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता पद को लेकर जारी राजनीतिक और कानूनी विवाद के बीच कलकत्ता उच्च न्यायालय ने गुरुवार को महत्वपूर्ण टिप्पणी की। अदालत ने सवाल उठाया कि क्या विधानसभा अध्यक्ष किसी राजनीतिक दल की सहमति के बिना उसके कथित बागी विधायक को विपक्ष का नेता मान्यता दे सकते हैं, विशेषकर तब जब उसे पार्टी से निष्कासित किया जा चुका हो। उच्च न्यायालय ने फिलहाल कोई अंतरिम आदेश पारित नहीं किया है। अदालत ने कहा कि पहले विधानसभा अध्यक्ष का आदेश रिकॉर्ड पर लाया जाए, उसके बाद ही मामले के गुण-दोष पर विचार किया जाएगा। मामले की अगली सुनवाई 16 जून को होगी। अदालत की ओर से कोई रोक न लगाए जाने के कारण ऋतब्रत बनर्जी फिलहाल पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता के रूप में बने रहेंगे।

डीएम ने डग्गामार एवं ओवरलोडिंग वाहनों के विरूद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिए

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। जिलाधिकारी डॉ.अमित पाल ने आज उदयन सभागार में कर-करेत्तर एवं राजस्व कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।

जिलाधिकारी ने वाणिज्यकर की समीक्षा के दौरान लक्ष्य के सापेक्ष अपेक्षित प्रगति न पाए जाने पर नारजगी प्रकट करते हुए उपायुक्त,वाणिज्यकर का वेतन रोकने के निर्देश दिए। उन्होंने परिवहन विभाग की समीक्षा के दौरान सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी को डग्गामार वाहनों एवं ओवरलोडिंग वाहनों के विरूद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्टॉम्प एवं रजिस्ट्रेशन, खनन, विद्युत, वन विभाग, मण्डी, आबकारी एवं नगर निकाय के राजस्व वसूली की प्रगति की समीक्षा के दौरान सभी सम्बन्धित अधिकारियों से कहा कि कार्ययोजना बनाकर लक्ष्य के सापेक्ष राजस्व वसूली में प्रगति सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सीएम डैशबोर्ड की रैंकिग में मण्डी आवक इण्डीकेटर में रैंकिग ठीक न पाए जाने पर सभी सचिव, मण्डी समिति का वेतन रोकने के निर्देश दिए। इसी प्रकार उन्होंने खनन में रैंकिग ठीक न पाए जाने पर जिला खनन अधिकारी के विरूद्ध कार्यवाही के लिए शासन को पत्र प्रेषित करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने तहसीलवार आर.सी. वसूली की प्रगति की समीक्षा के दौरान आर.सी. वसूली में अपेक्षित प्रगति न पाए जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए सभी तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार से आगामी बैठक तक प्रगति लाने के निर्देश दिए।

इसके साथ ही उन्होंने अंश निर्धारण एवं वरासत के लम्बित प्रकरणों को भी शीघ्र निस्तारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने राजस्व वादों के निस्तारण की प्रगति की समीक्षा के दौरान सभी उप जिलाधिकारियों /तहसीलदारों को राजस्व वादों के निस्तारण में प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने सम्बन्धित उप जिलाधिकारियों को सम्भावित बाढ़ के दृष्टिगत सभी आवश्यक कार्यवाही/तैयारियॉ समय से सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) शालिनी प्रभाकर एवं अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) ओम प्रकाश सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहें।

राजकीय विद्यालयों में निमार्णाधीन कार्यों की प्रगति की डीएम ने की समीक्षा

कौशांबी। जिलाधिकारी डॉ.अमित पाल ने कार्यालय कक्ष में प्रोजेक्ट अलंकार के अन्तर्गत राजकीय विद्यालयों में निमार्णाधीन कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।

जिलाधिकारी ने जिला विद्यालय निरीक्षक एवं सहायक अभियंता,यू.पी.सिडको से निमार्णाधीन कार्यों की प्रगति की जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि पाई गई कमियों को ठीक कराकर शीघ्र हैण्डओवर किया जाए। इसके साथ ही उन्होंने बाउण्ड्रीवाल के शेष कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने के भी निर्देश दिए।

गैंगस्टर में वांछित शातिर अभियुक्त गिरफ्तार,कब्जे से अवैध असलहा बरामद

सबसे तेज प्रयागराज
बुलंदशहर । वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बुलन्दशहर दिनेश कुमार सिंह के निर्देशन में जनपद में अपराधों पर अंकुश लगाये जाने हेतु अपराधियो के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत गुरुवार को थाना ककोड पुलिस द्वारा गैंगस्टर में वांछित शातिर अभियुक्त विकास पुत्र सतीश निवासी ग्राम बिहारीपुर थाना रहरा जनपद अमरोहा को दस्तूरा-कुटवाया रोड के पास से अवैध असलहा सहित गिरफ्तार किया गया।

23 लाख के 102 मोबाइल बरामद, स्वामियों को लौटाए, खुश

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। गुरुवार को कौशाम्बी पुलिस सत्यनारायण ने जिले के अलग-अलग थानों से चोरी, स्नेचिंग और गायब हुए 102 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इनकी अनुमानित कीमत करीब 23 लाख रुपये आंकी जा रही है। पुलिस ने बरामद फोन को उनके मालिकों को वापस कर दिया। पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि बरामद मोबाइल उनके असली स्वामियों को पहचान व सत्यापन के बाद लौटा दिए गए। यह सफलता सीईआईआर (सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी पाम्बी-र्पा रजिस्टर) पोर्टल की मदद से मिली है। उन्होंने बताया कि सीईआईआर पोर्टल से अब मोबाइल चोरी और खोने के मामलों में त्वरित ट्रैकिंग संभव हो गई है। इस मौके पर एएसपी अमिता सिंह ,सीओ शिवांक सिंह मौजूद रहें।

धोखाधड़ी हुए सम्पूर्ण धनराशि 52 हजार रूपया को आवेदक के खाते में वापस कराया गया

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी । 21 जनवरी को आवेदक प्रसिद्ध मिश्रा पुत्र कृष्णधर निवासी दारानगर थाना कड़ाधाम जनपद कौशाम्बी द्वारा सूचना दी गयी कि उसके पास एक RTO E-Challan APK फाइल आयी जिससे उनके बीओबी बैंक के क्रेडिट कार्ड से कुल 52600/- रूपया ऑनलाइन धोखाधड़ी कर ली गयी हैं । पुलिस अधीक्षक द्वारा घटना के सफल अनावरण एवं अभियुक्तों के गिरफ्तारी हेतु निर्देशित किया गया ।

उपरोक्त क्रम में साइबर अपराधियो के विरुद्ध की जा रही प्रभावी कार्यवाही के परिणाम स्वरूप साइबर क्राइम थाना जनपद कौशाम्बी द्वारा जाँच/विवेचना के क्रम में आवेदक प्रसिद्ध मिश्रा के खाते से कटे सम्पूर्ण धनराशि 52600/- रूपया को आवेदक के खाते में वापस कराया गया । आवेदक द्वारा पैसा प्राप्त होने पर कौशाम्बी पुलिस का आभार प्रकट किया गया ।

हत्या के प्रयास में वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर । पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में वांछित/वारंटियों की गिरफ्तारी तथा अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में गुरुवार को थाना ललौली पुलिस द्वारा जानलेवा हमले से संबंधित वांछित अभियुक्त पिन्टू पुत्र रहिमाल निवासी लदिगवा थाना ललौली जनपद फतेहपुर उम्र करीब 24 वर्ष को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक चाकू बरामद किया गया।

मुहम्मदाबाद पुलिस द्वारा एक वांछित अभियुक्त गिरफ्तार, भेजा जेल

सबसे तेज प्रयागराज
गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर के कुशल निर्देशन में जनपद में हो रहे अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण व क्षेत्राधिकारी सर्किल थाना मोहम्मदाबाद पुलिस टीम द्वारा दुष्कर्म से संबंधित वांछित चल रहे अभियुक्त कामरान अंसारी पुत्र अकबर अंसारी निवासी वार्ड नंबर 09 दर्जी मोहल्ला यूसुफपुर थाना मुहम्मदाबाद जनपद गाजीपुर को आदिलाबाद चौराहे से गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी।

गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में प्र0नि0 वीरेंद्र प्रताप, उ0नि0 अरविंद कुमार, का0 अवधेश कुमार, रि0 कां0 प्रशांत कुमार शुक्ला, रि0 का0 धीरज कुमार, रि0 का0 हर्ष यादव थाना मुहम्मदाबाद जनपद गाजीपुर।

आपरेशन चक्रव्यूह के तहत पांच वांछित आरोपी दबोचे गए

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। जनपद कौशाम्बी के थाना पिपरी पुलिस द्वारा चोरी की 3 घटनाओं से सम्बन्धित 2 अभियुक्तों, थाना कोखराज पुलिस द्वारा चोरी की 4 घटनाओं से सम्बन्धित 1 अभियुक्त, थाना सैनी पुलिस द्वारा हत्या के प्रयास से सम्बन्धित 1 अभियुक्त, थाना चरवा पुलिस द्वारा नाबालिग को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने वाले 1 अभियुक्त एवं थाना मोहब्बतपुर पइन्सा पुलिस द्वारा 1 वारण्टी अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया । इस प्रकार कुल 5 वांछित तथा 1 वारण्टी अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया ।

चोरी के 2 अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से चोरी का ई-रिक्सा, अन्य सामान व रुपए बरामद

कौशांबी । थाना पिपरी पुलिस टीम द्वारा आस-पास के लोगो से पूछताछ, सर्विलांस/सीसीटीवी कैमरों की मदद से उपरोक्त चोरी की घटनाओं से सम्बन्धित प्रकाश में आये 2 वांछित अभियुक्तों अल्बास उर्फ सहबाज पुत्र तशौर अली निवासी किसनी का पुरवा अरखा मुस्तकिल थाना ऊँचाहार जनपद रायबरेली हालपता- मोहद्दीपुर थाना एयरपोर्ट जनपद प्रयागराज . हनुमान पुत्र रामभवन सिंह निवासी नुरपुर थाना पिपरी जनपद कौशाम्बी को मुखबिर खास की सूचना के आधार पर नूरपुर पुलिया के पास से गिरफ्तार किया गया । अभियुक्त के कब्जे से चोरी की ई-रिक्सा तथा सफेद धातु की एक पायल व एक जोडी कड़ा एवं 11880 रुपए नगद बरामद किया ।

छिनैती की घटना का खुलासा , आरोपी गिरफ्तार, कब्जे से छिनैती का माल मशरूका बरामद

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर। 7 मई को वादिनी मसरतुन निशा पत्नी मो0हसन निवासिनी ग्राम जिगनी थाना बिंदकी द्वारा सूचना दी गई कि बैलाही बाजार में सब्जी खरीदते समय किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा उनका बैग छीन लिया गया।

बिंदकी पुलिस द्वारा चोरी से संबंधित प्रकाश में आए अभियुक्त आदिल राईम पुत्र जमाल निवासी मोहल्ला जहानपुर कस्बा व थाना बिन्दकी जनपद फतेहपुर, उम्र करीब 20 वर्ष को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के कब्जे से छीना गया एक अदद मोबाइल फोन, एक अदद हाथ की घड़ी तथा नगद 8,300/- रुपये बरामद किये गये। पूछताछ में अभियुक्त आदिल राईम द्वारा स्वीकार किया गया कि उसने दिनांक 07.05.2026 को बैलाही बाजार कस्बा बिन्दकी में एक महिला से बैग/झोला छीन लिया था तथा उसमें रखे नगद रुपये में से कुछ धनराशि व्यक्तिगत खर्च एवं बकरीद की खरीदारी में खर्च कर दी थी। साथ ही अभियुक्त छीने गए मोबाइल फोन एवं घड़ी को बेचने के प्रयास में था, तभी पुलिस द्वारा अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया गया।

ग्रेट निकोबार को कॉपोर्रेट लूट से बचाने के लिए कांग्रेस का प्रदर्शन, हंडिया तहसील में चला हस्ताक्षर अभियान

कांग्रेस नेताओं ने केंद्र व प्रदेश सरकार पर साधा निशाना, कहा- आदिवासियों के जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए जारी रहेगी लड़ाई

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। ग्रेट निकोबार द्वीप समूह में प्रस्तावित परियोजनाओं के विरोध में कांग्रेस ने गुरुवार को हंडिया तहसील परिसर में प्रदर्शन किया। कार्यकताओं ने हंडिया बाजार से तहसील तक जुलूस निकालकर केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और राष्ट्रव्यापी हस्ताक्षर अभियान के तहत लोगों से समर्थन जुटाया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कांग्रेस गंगापार के जिलाध्यक्ष अशफाक अहमद ने की। उन्होंने आरोप लगाया कि विकास के नाम पर पर्यावरण और आदिवासी समुदायों के हितों की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ग्रेट निकोबार को बचाने के लिए अंतिम सांस तक संघर्ष करेगी और किसी भी कॉपोर्रेट घराने को वहां के प्राकृतिक संसाधनों पर कब्जा नहीं करने देगी।

अशफाक अहमद ने प्रदेश सरकार पर भी हमला बोलते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में छुट्टा पशुओं की समस्या विकराल रूप ले चुकी है। किसान रातभर खेतों की रखवाली करने को मजबूर हैं और सड़क हादसों में भी बढ़ोतरी हुई है, लेकिन सरकार इस समस्या के समाधान के लिए प्रभावी कदम नहीं उठा रही है।

तहसील परिसर में आयोजित हस्ताक्षर अभियान में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर आंदोलन को समर्थन दिया। प्रदर्शन में वरिष्ठ नेता शेखर बहुगुणा, डॉ. साधू चरण तिवारी, देवराज उपाध्याय, सुनील पाण्डेय, महेंद्र प्रताप सिंह, अजय शुक्ला, रितेश पासी, डॉ. अमर सिंह पटेल, महेश शुक्ला, लवकुश मिश्रा, शिवचंद बिंद, रमेश मौर्य, पियूष कपूर, तीर्थराज तिवारी, सूफिया बानो, दीपमाला, मो. शमीम, राहुल तिवारी, हरिभान सिंह सिंगरौर, कमलेश मौर्य, प्रभात मौर्य और रंजना मौर्य समेत सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शारीरिक दक्षता, मानसिक मजबूती एवं टीम भावना के विकास में खेल प्रतियोगिताएं महत्वपूर्ण : अभिमन्यु

30वीं अंतरवाहिनी पीएसी पूर्वी जोन बॉलीबाल क्लस्टर प्रतियोगिता के शुभारंभ पर बोले एसपी, फतेहपुर में चल रहा आयोजन

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर। 30वीं अंतरवाहिनी पीएसी पूर्वी जोन बॉलीबाल क्लस्टर प्रतियोगिता का शुभारंभ बृहस्पतिवार को फतेहपुर में उत्साहपूर्ण माहौल में हुआ। प्रतियोगिता का उद्घाटन पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर एवं मैच का शुभारंभ कर किया।

इस अवसर पर एसपी अभिमन्यु मांगलिक ने कहा कि खेल प्रतियोगिताएं शारीरिक दक्षता, मानसिक मजबूती एवं टीम भावना के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। खेल न केवल शरीर को स्वस्थ रखते हैं, बल्कि अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और आपसी समन्वय की भावना भी विकसित करते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता के अंतर्गत वॉलीबाल एवं सेपक टकरॉ खेलों का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें पूर्वी जोन की विभिन्न वाहिनियों के खिलाड़ी प्रतिभाग कर रहे हैं। उद्घाटन मैच के दौरान खिलाड़ियों ने शानदार खेल कौशल का प्रदर्शन कर दर्शकों का उत्साह बढ़ाया। प्रतियोगिता के आयोजन से खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ-साथ एक-दूसरे से सीखने का अवसर भी मिलेगा।

इस अवसर पर 12वीं वाहिनी पीएसी के सेनानायक (कमांडेंट) ने पुलिस अधीक्षक को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में पीएसी एवं पुलिस विभाग के अधिकारीगण, प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाली विभिन्न वाहिनियों के खिलाड़ी तथा अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता आगामी दिनों तक चलेगी, जिसमें विभिन्न टीमों के बीच रोमांचक मुकाबले आयोजित किए जाएंगे।

जिलाधिकारी ने की जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल की अध्यक्षता में उदयन सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक सम्पन्न हुई।

जिलाधिकारी ने परिवार कल्याण कार्यक्रमों की समीक्षा के दौरान सभी प्रभारी चिकित्साधिकारियों को लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारी से कहा कि जनपद के सभी सामुदायिक/प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में चिकित्सकों एवं स्टॉफ की उपस्थिति समय से सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने जननी सुरक्षा योजना की समीक्षा के दौरान सभी प्रभारी चिकित्साधिकारियों से कहा कि शत-प्रतिशत संस्थागत प्रसव सुनिश्चित किया जाय। उन्होंने प्रभारी चिकित्साधिकारियों से विगत माह मई में शिशु मृत्यु के कारणों की जानकारी प्राप्त कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने प्रभारी चिकित्साधिकारियों को आभा आई.डी. व नियमित टीकाकरण एवं आयुष्मान भारत योजना के अन्तर्गत कार्ययोजना बनाकर लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाने के कार्य में तेजी से प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सी.एच.ओ. के कार्यों की मॉनीटरिंग किया जाए एवं लापरवाही/ठीक प्रकार से कार्य न करने वाली आशाओं के विरूद्ध कार्यवाही किया जाए। उन्होंने राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की समीक्षा के दौरान अपेक्षित प्रगति न पाए जाने पर मुख्य चिकित्साधिकारी को आर.बी.एस.के. टीम को और सक्रिय करने एवं कार्यों की मॉनीटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारी से चिकित्सकों की उपलब्धता एवं एम्बुलेंस की स्थिति आदि की जानकारी प्राप्त करते हुए आवश्यक निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी एवं मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. संजय कुमार सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

पुलिस भर्ती परीक्षा में पास कराने के नाम पर ठगी, गिरोह का सरगना समेत दो गिरफ्तार

एसटीएफ प्रयागराज की टीम ने जौनपुर में की कार्रवाई, प्रवेश पत्र व व्हाट्सएप चैट समेत कई दस्तावेज बरामद

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। उत्तर प्रदेश पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा-2025 में अभ्यर्थियों को पास कराने का झांसा देकर ठगी करने वाले गिरोह के सरगना समेत दो आरोपियों को एसटीएफ प्रयागराज की टीम ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 21 प्रवेश पत्रों की प्रतियां, दो मोबाइल फोन, चेक, आधार कार्ड, अंकपत्रों की प्रतियां तथा व्हाट्सएप चैट से जुड़े दस्तावेज बरामद हुए हैं।

एसटीएफ के अनुसार बिहार के सिवान निवासी राजू कुमार मांझी और जौनपुर के बड़ागांव निवासी छोटे लाल यादव को 10 जून की शाम मुंगराबादशाहपुर थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। दोनों अभ्यर्थियों को परीक्षा में पास कराने और साल्वर बैठाने का झांसा देकर उनसे मोटी रकम वसूलते थे।

एसटीएफ को भर्ती परीक्षा की शुचिता भंग करने के प्रयासों की सूचना मिल रही थी। इसके बाद पुलिस उपाधीक्षक शैलेश प्रताप सिंह के पर्यवेक्षण में निरीक्षक जय प्रकाश राय के नेतृत्व में टीम ने जांच शुरू की।

कार्रवाई करने वाली टीम में उपनिरीक्षक विनय तिवारी, मुख्य आरक्षी हबीब सिद्दीकी, संतोष कुमार, अमित शर्मा, प्रवीण जायसवाल तथा चालक आरक्षी रविकांत सिंह शामिल रहे।

पूछताछ में राजू कुमार मांझी ने बताया कि वह अपने साथियों के साथ मिलकर प्रतियोगी परीक्षाओं के अभ्यर्थियों को पास कराने का लालच देकर उनसे धन वसूलता था। गिरोह के सदस्य अभ्यर्थियों की तलाश कर उनसे प्रवेश पत्र और अन्य दस्तावेज जुटाते थे। वसूली गई रकम आपस में बांट ली जाती थी। पुलिस के मुताबिक राजू कुमार मांझी के खिलाफ वर्ष 2022 में धूमनगंज थाने में नौकरी दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी का मुकदमा भी दर्ज हो चुका है। दोनों आरोपियों के खिलाफ मुंगराबादशाहपुर थाने में मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

डीएम एसपी की उपस्थिति में बाढ़ आपदा प्रबंधन संबंधी व्यापक मॉक ड्रिल का हुआ आयोजन

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर। जनपद फतेहपुर के थाना औंग क्षेत्रान्तर्गत बिंदकी फार्म गांव में संभावित बाढ़ परिस्थितियों के दृष्टिगत आपदा प्रबंधन तंत्र की तैयारियों, राहत एवं बचाव कार्यों की प्रभावशीलता तथा विभिन्न विभागों के मध्य समन्वय की समीक्षा हेतु आज एक व्यापक मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में जिलाधिकारी फतेहपुर श्रीमती निधि गुप्ता वत्स एवं पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अभिमन्यु मांगलिक द्वारा प्रतिभाग कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

मॉक ड्रिल के दौरान संभावित बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में विभिन्न विभागों द्वारा आपदा की स्थिति में किए जाने वाले राहत एवं बचाव कार्यों का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर लाभार्थियों के पंजीकरण की प्रक्रिया का अभ्यास कराया गया तथा राहत शिविर संचालन, खाद्यान्न एवं आवश्यक सामग्री वितरण, चिकित्सा सहायता, सुरक्षा व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का प्रदर्शन किया गया।

इसके अतिरिक्त भवन ध्वस्तीकरण (Building Collapse) की काल्पनिक स्थिति निर्मित कर यह अभ्यास किया गया कि तेज आंधी, वर्षा अथवा बाढ़ के कारण किसी भवन के क्षतिग्रस्त अथवा ध्वस्त होने की स्थिति में उसमें फंसे व्यक्तियों को किस प्रकार सुरक्षित बाहर निकालकर त्वरित चिकित्सीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। इस दौरान खोज एवं बचाव (Search & Rescue), प्राथमिक उपचार तथा घायलों को अस्पताल पहुंचाने की समस्त प्रक्रियाओं का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया गया।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा संबंधित विभागों की तैयारियों की समीक्षा करते हुए आपदा की स्थिति में त्वरित एवं समन्वित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की मॉक ड्रिल का उद्देश्य संभावित आपदाओं के प्रति प्रशासनिक तंत्र को अधिक सक्षम एवं सजग बनाना है, जिससे वास्तविक आपदा की स्थिति में जन-धन की हानि को न्यूनतम किया जा सके।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित ग्रामीणों द्वारा अपनी विभिन्न समस्याओं एवं आवश्यकताओं से प्रशासन को अवगत कराया गया। जिलाधिकारी महोदया ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि बाढ़ आगमन से पूर्व जिन समस्याओं का समाधान संभव है, उनका प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित कराया जाएगा। साथ ही, आमजन से आपदा प्रबंधन से संबंधित दिशा-निर्देशों का पालन करने एवं प्रशासन के साथ सहयोग बनाए रखने की अपील की गई।

मॉक ड्रिल का सफल आयोजन प्रशासन, पुलिस, स्वास्थ्य विभाग, राजस्व विभाग, अग्निशमन विभाग, आपदा प्रबंधन प्राधिकरण तथा अन्य संबंधित विभागों के समन्वित प्रयासों से संपन्न हुआ।

डीएम ने 12वें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों के सम्बंध में की समीक्षा बैठक

21 जून को संगम नोज पर भव्य रूप से मनाया जायेगा अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज । डीएम मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता व मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह की उपस्थिति में गुरूवार को संगम सभागार में आगामी 21 जून को मनाए जाने वाले 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों के सम्बंध में महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योगाभ्यास के कार्यक्रम आयोजित करायें जाये। उन्होंने सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को कार्ययोजना के अनुसार सभी तैयारियां समय से सुनिश्चित कराये जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने तहसील, ब्लाक एवं जिला स्तर पर एवं जनपद के प्रसिद्ध मंदिरों, पार्को, सरोवरों के किनारे योगाभ्यास कराये जाने की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने विभिन्न विभागों के उपस्थित अधिकारियों एवं संस्थाओं के प्रतिनिधियों को आपसी समन्वय के साथ योग दिवस को सफल बनाने के लिए निर्देशित किया। उन्होने कहा कि अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को संगम नोज पर भव्य रूप से मनाया जायेगा जिसमें प्रभारी मंत्री, जनप्रतिनिधिगण, विभागीय अधिकारी/कर्मचारी, छात्र-छात्रायें, समाजसेवी, व्यापारी व जनपद के अन्य गणमान्य नागरिक का सामूहिक योगाभ्यास कराया जायेगा। उन्होंने आयोजन स्थल पर मंच, मैटिंग, मार्ग सूचक, यातायात/पार्किंग, सुरक्षा व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल, एल0ई0डी0 टीबी, बिजली, साउण्ड, कालर माईक, स्थल का ब्लाक विभाजन सहित अन्य व्यवस्थाओं को सुनिश्चित कराने के लिए

कहा है। जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से कार्यक्रम स्थल पर पर्याप्त चिकित्सा स्टाफ सहित चिकित्सीय सुविधा, ओ0आर0एस0 एवं एम्बुलेंस की व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने के लिए कहा है।
सीडीओ हर्षिका सिंह ने बैठक में जिले के सभी सरकारी भवनो, अमृत सरोवरों, पौराणिक स्थलों तथा पार्कों और मंदिरों आदि स्थलों पर योगाभ्यास सत्र आयोजित करने तथा 21 जून को संगम तट पर हर्षोल्लास के साथ योग दिवस के आयोजन का निर्देश दिया। उन्होंने योग सप्ताह के कार्यक्रम का व्यापक प्रचार प्रसार करने के लिए कहा है, जिससे अधिक से अधिक संख्या में लोग प्रतिभाग कर सके।
बैठक में क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. नवीन सोनी ने बताया कि दिनांक 15 जून से 21 जून तक जनपद में योग सप्ताह के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जायेगे। योग सप्ताह का शुभारम्भ 15 जून को अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद उद्यान (कम्पनी गार्डेन) पार्क में जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया जायेगा। योगाभ्यास का कार्यक्रम प्रातः 6 बजे से प्रातः 8 बजे तक आयोजित किया जायेगा। क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी को निर्देशित किया गया कि योग सप्ताह के कार्यक्रमों की फोटो आयुष कवच एप पर अपलोड करायी जाये। योग सप्ताह कार्यक्रम के दौरान रन फॉर योग एवं पैदल यात्रा निकाली जाये।

आम जनता की आनलाइन योग में भागीदारी कराकर विश्व रिकार्ड का हिस्सा बनाया जायेंगा

बैठक में आयुष विभाग की ओर से क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी ने बताया कि आगामी योग दिवस के अवसर पर आयुष मंत्रालय द्वारा विश्व रिकार्ड बनाया जा रहा है जिसे आम जन की भागीदारी ह्वाट्सएप नम्बर वाले मोबाईल फोन से टोल फ्री नम्बर 18003157008 पर मिस्ड काल करने पर लुंं४'ां से लिंक प्राप्त होगा प्रतिभागी 14 जून 2026 को प्रातः 6:15 से 7:35 के बीच इस लाइव योग सत्र से जुड़कर विश्व रिकार्ड का हिस्सा बन सकते हैं।
बैठक में डीसीपी नीरज पाण्डेय, जिला विद्यालय निरीक्षक, पी०डब्ल्यू०डी०, बी०एस०ए०, अन्य सरकारी विभागों सहित सिविल डिफेंस, पतंजलि योग संस्थान, ब्रम्ह कुमारी एवं अन्य संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मुहर्रम त्यौहार को लेकर पीस कमेटी की बैठक संपन्न

सबसे तेज प्रयागराज
फूलपुर। मोहर्रम त्योहार को लेकर थाना फूलपुर में बृहस्पतिवार को पीस कमेटी की बैठक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता एसीपी फूलपुर विवेक यादव ने किया । एसीपी फूलपुर ने कहा कि आप सब लोग आगामी त्यौहार को सौहार्दपूर्ण तरीके से मनाने का प्रयास करें। कहीं भी किसी भी प्रकार की अराजकता किसी के द्वारा फैलाई गई तो बक्सा नहीं जाएगा। बैठक में फूलपुर थाना प्रभारी शेषनाथ पाल , कस्बा इंचार्ज, फूलपुर नगर पंचायत अध्यक्ष अमरनाथ यादव, सभासद सिराज अंसारी, इस्लाह अहमद, राहुल विश्वकर्मा , मोहम्मद दानिश बलवंत मौर्य, बलागत हुसैन, बदरुल हसन जैदी, मुन्ना भैया, आफताब आलम, ताजियादार बबलू,सादिक बाबा, आदि लोग उपस्थित रहे।

विधायक गुरु प्रसाद मौर्य ने भाजपा कार्यालय गंगापार में की जनसुनवाई

जिलाध्यक्ष गंगापार निर्मला पासवान की पहल पर बुधवार से भाजपा गंगापार कार्यालय पर शुरू हुई जनप्रतिनिधि द्वारा जनसुनवाई

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। भाजपा कार्यकताओं सहित अन्य लोगों की समस्या समाधान के लिए भारतीय जनता पार्टी गंगापार की जिलाध्यक्ष निर्मला पासवान की पहल गंगापार कार्यालय में दूसरे दिन गुरुवार को फाफामऊ विधायक गुरु प्रसाद मौर्य ने जिलाध्यक्ष निर्मला पासवान के साथ जनसुनवाई की और उसके समाधान के लिए अधिकारियों को फोन पर निर्देश भी दिया भाजपा जिलाध्यक्ष गंगापार निर्मला पासवान ने कहा कि जनसुनवाई का उद्देश्य है कि संगठन और जनप्रतिनिधि एक साथ लोगों की समस्या सुने और उनका समाधान कराएं कोई भी अपनी समस्या लेकर भाजपा कार्यालय पर जनसुनवाई में आ सकता है। जिला मीडिया प्रभारी उमेश तिवारी के अनुसार गंगापार कार्यालय पर बुधवार को फूलपुर विधायक दीपक पटेल गुरुवार को फाफामऊ विधायक गुरु प्रसाद मौर्य तथा शुक्रवार को एमएलसी सुरेन्द्र चौधरी जनसुनवाई करेंगे। विधायक गुरु प्रसाद मौर्य ने लगभग 80 लोगों की समस्या सुनी 10 का मौके पर समाधान कराया। इस अवसर पर मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष बृजेश त्रिपाठी, जिला मीडिया प्रभारी उमेश तिवारी,कार्तिकेय त्रिपाठी,राधाकांत शुक्ला,तुलसी राम सरोज आत्मा धर दुबे श्याम सुंदर दुबे,जंगी लाल मौर्य, संजय यादव मौजूद रहे।

व्यक्तिगत शौचालय निर्माण में खराब प्रगति वाले एडीओ (पंचायत) का वेतन रोकने के निर्देश

जिला स्वच्छता समिति की बैठक संपन्न

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। डीएम मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह की उपस्थिति में जिला स्वच्छता समिति की बैठक गुरुवार को संगम सभागार में आयोजित की गई। बैठक का संचालन जिला पंचायत राज अधिकारी रविशंकर द्विवेदी के द्वारा किया गया।
बैठक में जिलाधिकारी ने स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत ग्राम पंचायतों में पात्र लाभार्थियों को प्रदान किए जा रहे व्यक्तिगत घरेलू शौचालय (क्लल्छ) की प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए गए । जिलाधिकारी ने शौचालय के पात्र लाभार्थियों को शौचालय निर्माण हेतु प्रथम एवं द्वितीय किस्त के भुगतान, लंबित प्रकरणों के निस्तारण तथा ऑनलाइन प्राप्त आवेदनों के शीघ्र निस्तारण में अपेक्षित प्रगति न पाए जाने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए सभी एडीओ (पंचायत) एवं संबंधित अधिकारियों को कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने खराब प्रगति वाले विकासखंडों के सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) का वेतन अग्रिम आदेशों तक अवरुद्ध किए जाने हेतु जिला पंचायत राज अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है ।
बैठक में ज़िलाधिकारी ने ह्लमेरा तालाब, मेरी जिम्मेदारीह्व अभियान के अंतर्गत चयनित तालाबों को पूर्णतः ठोस एवं प्लास्टिक अपशिष्ट मुक्त बनाए जाने की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि सभी चयनित तालाबों से कूड़ा-कचरा एवं प्लास्टिक अपशिष्ट हटाते हुए उन्हें स्वच्छ बनाया जाए। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाए कि ग्रे-वॉटर (घरेलू अपशिष्ट जल) सीधे तालाबों में प्रवाहित न हो। इसके लिए फिल्टर चैंबर अथवा अन्य उपयुक्त तकनीकी व्यवस्थाएं विकसित की जाएं। उन्होंने वर्षा ऋतु प्रारंभ होने से पूर्व सभी निर्धारित कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने चयनित तालाबो की वर्तमान स्थिति और साफ -सफाई के बाद की स्थिति की विस्तृत रिपोर्ट भी तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं
जिलाधिकारी ने प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन की समीक्षा के दौरान समस्त खंड विकास अधिकारियों एवं सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) को प्रत्येक सप्ताह विशेष प्लास्टिक मुक्त अभियान संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि माननीय सांसद, विधायकों, ग्राम प्रधानों, क्षेत्र पंचायत प्रमुखों तथा अन्य जनप्रतिनिधियों के सहयोग से व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जाए तथा आमजन को सिंगल-यूज प्लास्टिक का उपयोग बंद करने के लिए प्रेरित किया जाए।
बैठक के अंत में जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत संचालित समस्त योजनाओं एवं गतिविधियों में अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित करते हुए निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध रूप से पूर्ण किया जाए।
बैठक में जिला पंचायत राज अधिकारी रविशंकर द्विवेदी, जिला सलाहकार (स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण), जनपद स्तरीय अधिकारीगण तथा विकासखंड स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

दौलत मजार शाह की दरगाह पर 107वें सालाना उर्स में उमड़ी अकीदतमंदों की भीड़

गुस्ल शरीफ, महफिल-ए-शमा और कुल शरीफ में शामिल हुए बड़ी संख्या में जायरीन

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। करैलाबाग बालू मंडी स्थित दौलत मजार शाह की दरगाह शरीफ पर 107वें सालाना उर्स का आयोजन श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। उर्स के अवसर पर दूर-दराज से पहुंचे अकीदतमंदों ने दरगाह पर हाजिरी लगाई, चादरपोशी की और अमन-चैन की दुआ मांगी।
उर्स कार्यक्रम के तहत जिल्हिज्जा माह की 23 तारीख को गुस्ल शरीफ तथा 24 तारीख को नमाज-ए-जोहर के बाद महफिल-ए-शमा का आयोजन किया गया। इसके पश्चात कुल शरीफ और फातिहाखानी की रस्म अदा की

गई। महफिल में नात और कव्वाली की प्रस्तुतियों ने सूफियाना माहौल बना दिया, जिसे सुनकर जायरीन भावविभोर हो उठे।
आयोजन में दरगाह शरीफ के खादिम मौलाना अरशद नियाजी और मस्जिद के इमाम मौलाना मोहम्मद कासिम की विशेष भूमिका रही। वहीं मुतवल्ली मोहम्मद आलम की सेवाओं की भी सराहना की गई। कार्यक्रम में तौफीक नियाजी, इम्तियाज नियाजी, उमर सिद्दीकी, अकबर सिद्दीकी, रिजवान पत्रकार, फैजान, जीशान और इरफान सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।
उर्स के दौरान दरगाह और हरी मस्जिद को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। रंग-बिरंगी रोशनी और सजावट श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बनी रही। बड़ी संख्या में लोगों ने दरगाह पर चादर चढ़ाकर अपनी मन्नतें मांगीं और देश में सुख-शांति की दुआ की।
खादिम मौलाना अरशद नियाजी ने कहा कि सालाना उर्स केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आपसी भाईचारे, प्रेम और सद्भाव का संदेश देने वाला पर्व है। कार्यक्रम के समापन पर कुल शरीफ की फातिहाखानी हुई, जिसमें मौलाना मोहम्मद कासिम ने दुआ कर लोगों को नेक राह पर चलने और जरूरतमंदों की मदद करने का संदेश दिया।

संगठन सर्वोपरि, दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करें- अमरनाथ यादव

भाजपा यमुनापार जिला की बैठक में आगामी अभियानों की बनी रणनीति

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी प्रयागराज यमुनापार ज़िले की बैठक गुरुवार को रामपुर कैंप कार्यालय में हुई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ल ने की जबकि मुख्य अतिथि काशी क्षेत्र के उपाध्यक्ष एवं यमुनापार जिला प्रभारी अमरनाथ यादव रहे। इस मौके पर पिछले संगठनात्मक कार्यों की समीक्षा और आगामी कार्यक्रमों एवं अभियानों की विस्तृत रूपरेखा तय की गई।
बैठक में उपस्थित कार्यकताओं एवं पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि अमरनाथ यादव ने कहा कि पार्टी के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन

पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण भाव के साथ करें। संगठन के निर्देशों को प्राथमिकता देते हुए यमुनापार की चारों विधानसभाओं में भाजपा को और अधिक मजबूत बनाने के लिए कार्य करें। उन्होंने कहा, संगठन के प्रति समर्पित कार्यकर्ता ही भविष्य की विजय का आधार बनता है, इसलिए व्यक्तिगत आग्रहों से ऊपर उठकर संगठन हित को सर्वोच्च रखें।
जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ल ने पदाधिकारियों को आगामी कार्यक्रमों की जिम्मेदारियां सौंपीं। उन्होंने कहा, यमुनापार का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की शक्ति है, हम सभी मिलकर आगामी अभियानों को शत-प्रतिशत सफलता दिलाने के लिए पूरी क्षमता के साथ कार्य करेंगे।
भाजपा जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुर्वेदी ने बताया कि बैठक का संचालन जिला महामंत्री प्रदीप पांडेय ने किया। जिला उपाध्यक्ष राजेश्वरी तिवारी ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पूरामुफ्ती पुलिस ने वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। पूरामुफ्ती पुलिस द्वारा थाना में दर्ज धारा 3/8 गोवध निवारण अधिनियम से सम्बन्धित अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।पकड़ा गया अभियुक्त अबू उजैफा निवासी इटाहापार हटवा थाना पूरामुफ्ती, जनपद प्रयागराज है। इसको मुखबिर की सूचना पर ककहरा मोड़ बहद ग्राम फतेहपुर घाट थाना क्षेत्र पूरामुफ्ती से गिरफ्तार किया गया। पुलिस की लिखापढ़ी के बाद अभियुक्त को जेल भेज दिया गया।

नगर पंचायत के आउटसोर्सिंग सफाई कर्मी का निधन, कार्यालय में शोकसभा आयोजित

सबसे तेज प्रयागराज
लालगोपालगंज, प्रयागराज। नगर पंचायत लालगोपालगंज में कार्यरत आउटसोर्सिंग सफाई कर्मचारी राम भवन के आकस्मिक निधन से नगर पंचायत कर्मचारियों एवं क्षेत्रवासियों में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार, राम भवन की अचानक तबीयत बिगड़ गई थी। परिजन एवं साथी कर्मचारी उन्हें उपचार के लिए प्रयागराज ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उनका निधन हो गया।
सफाई नायक मुकेश चंद्रा एवं आशु सफाई ने बताया कि राम भवन नगर पंचायत में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी निष्ठा और लगन के साथ कर रहे थे। उनके असामयिक निधन की सूचना मिलते ही कर्मचारियों में गहरा दुःख व्याप्त हो गया।
दिवंगत कर्मचारी को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए गुरुवार को नगर पंचायत कार्यालय में अध्यक्ष जुलेखा के निर्देश पर शोकसभा आयोजित की गई। शोकसभा में नगर पंचायत के अधिकारियों, कर्मचारियों तथा सफाई कर्मियों ने भाग लिया और राम भवन के निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त की।इस दौरान वरिष्ठ लिपिक कृष्ण कुमार, कैलाश सिंह यादव, दारा यादव शिव सेवक सिंह संजय मौर्य, देवराज मौर्य सफाई नायक रियासत हुसैन, जितेंद्र सरोज अनिल कुमार वीरू यादव आदि कर्मचारी उपस्थित रहे सभी लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति एवं शोकाकुल परिजनों को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की।

पूर्व प्रधान के बेटे की गोली मारकर हत्या, परिवार के सदस्य पर भी शक

गोती गांव में घर से 50 मीटर दूर बगीचे में मिला शव, सिर में गोली मारकर की गई हत्या

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। औद्योगिक क्षेत्र थाना क्षेत्र के गोती गांव में गुरुवार सुबह पूर्व प्रधान विनोद सिंह के 19 वर्षीय बेटे कुश सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई। उसका खून से लथपथ शव घर से करीब 50 मीटर दूर बगीचे में मिला। सिर में गोली लगने से गंभीर रूप से घायल कुश को परिजन तत्काल एसआरएन अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।
घटना की सूचना मिलते ही औद्योगिक क्षेत्र पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची तथा साक्ष्य जुटाकर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने परिजनों और ग्रामीणों से पूछताछ भी की।
बताया गया कि पूर्व प्रधान विनोद सिंह के तीन बेटों में सबसे छोटा कुश गुरुवार सुबह घर के पास स्थित बगीचे में गया था। इसी दौरान गोली चलने की आवाज सुनकर परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे तो वह गंभीर हालत में पड़ा मिला।
पुलिस जांच में मामला उलझता नजर आ रहा है। सूत्रों के अनुसार पूछताछ के दौरान परिजन बार-बार अलग-अलग बयान देते रहे। पहले जमीन विवाद को हत्या की वजह बताया गया, जबकि बाद में बाइक सवार तीन युवकों द्वारा गोली मारकर फरार होने की बात कही गई। पुलिस सीडीआर और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच कर रही है। शुरूआती जांच में परिवार के किसी सदस्य की संलिप्तता की आशंका भी जताई जा रही है।
फिलहाल पुलिस ने कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। वहीं बेटे की मौत से मां सुमन देवी, भाई लव और शिवम समेत पूरे परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है।
डीसीपी यमुनानगर विवेक चंद्र यादव ने बताया कि अभी तक परिजनों की ओर से कोई तहरीर नहीं दी गई है। पुलिस सभी पहलुओं पर गहनता से जांच कर रही है और जल्द ही हत्याकांड का खुलासा किया जाएगा।

कप्तान ने डिस्ट्रिक्ट कंट्रोल रूम एवं डायल-112 कार्यालय का किया निरीक्षण

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी । एसपी सत्यनारायण द्वारा जनपद कौशाम्बी स्थित डिस्ट्रिक्ट कंट्रोल रूम एवं डायल-112 कार्यालय का निरीक्षण किया गया।
निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा कंट्रोल रूम एवं डायल-112 में प्राप्त होने वाली सूचनाओं के निस्तारण, अभिलेखों के रख-रखाव, संचार व्यवस्था तथा ड्यूटी पर नियुक्त पुलिसकर्मियों की कार्यप्रणाली का अवलोकन किया गया। उन्होंने डायल-112 पर प्राप्त

होने वाली घटनाओं पर त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने तथा आमजन से प्राप्त सूचनाओं का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण करने हेतु संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।
पुलिस अधीक्षक द्वारा कंट्रोल रूम की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाए रखने, संचार तंत्र को सतत सक्रिय रखने तथा जनसामान्य की समस्याओं के प्रति संवेदनशील रहकर कार्य करने के निर्देश दिए गए। साथ ही ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों को अनुशासन, सतर्कता एवं तत्परता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने हेतु प्रेरित किया गया।

डीएम ने पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के प्रगति की समीक्षा की

जिलाधिकारी ने कहा-एक ग्राम का सोलर ग्राम के रूप में चयन कर गांव के शत-प्रतिशत घरों में कराये सोलर कनेक्शन

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। डीएम मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में गुरूवार को संगम सभागार में पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के सम्बंध में बैठक आयोजित की गयी तथा सभी सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक में सौर ऊर्जा कनेक्शन के लिए प्राप्त आवेदन, स्वीकृत आवेदन एवं लम्बित आवेदन, डिस्कॉम, बैंक एवं वेण्डर्स द्वारा आवेदन निस्तारण एवं लम्बित आवेदनों की स्थिति, विद्युत विभाग के अन्तर्गत निरीक्षण हेतु लम्बित प्रकरण एवं पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजनान्तर्गत बैंक स्तर पर लोन निर्गत/पार्शियल पेमेण्ट सम्बंधित लम्बित प्रकरणों के बारे में विस्तार से समीक्षा की गयी।
जिलाधिकारी ने पीओनेडा से पीएम सूर्यघर योजना के प्रगति के बारे में जानकारी लेते हुए निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष शत-प्रतिशत प्रगति सुनिश्चित किये जाने के निर्देश सम्बंधित अधिकारियों को दिए है। उन्होंने पीओ नेडा से टॉप टेन पेण्डेंसी वाले वेण्डरों के विरूद्ध कार्रवाई हेतु शासन को पत्र प्रेषित करने के लिए कहा है। उन्होंने पीओ नेडा से सौर ऊर्जा कनेक्शन के लिए प्राप्त आवेदन, स्वीकृत आवेदन एवं लम्बित आवेदन की स्थिति की जानकारी ली, जिसपर बताया गया कि कुल 33995 आवेदन प्राप्त हुए है, जिनमें 33978 आवेदन स्वीकृत हुए है तथा 32823 आवेदन के लिए वेण्डर का सेलेक्शन हो चुका है, जिसमें से 19955 में इंस्टालेशन का कार्य पूर्ण हो चुका है। उन्होंने पीओ नेडा को विद्युत विभाग व बैंक के अधिकारियों एवं

पीएम सूर्यघर योजना व क्लीन एनर्जी का वेण्डरों एवं लक्षित विभाग के साथ बैठक कर पेंडेसी को समाप्त करने और उपभोक्ताओं का चिन्हांकन करने के लिए कहा है। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि प्रत्येक वेण्डर को पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का जो लक्ष्य तय किया गया है, उस लक्ष्य के अनुसार हर घर में सोलर सिस्टम लगाने के लिए प्राथमिकता पर कार्यवाही करें। उन्होंने विद्युत विभाग के सभी अधिकारियों को उनके स्तर पर पीएम सूर्यघर योजना से सम्बंधित लम्बित सभी पेण्डेंसी को अभियान चलाकर प्राथमिकता पर निस्तारित करते हुए ज्यादा से ज्यादा सोलर कनेक्शन कराये जाने के लिए कहा है। उन्होंने बैठक में उपस्थित एलडीएम से बैंक स्तर पर लम्बित प्रकरणों की नियमित समीक्षा करते हुए जल्द से जल्द पेण्डेंसी को समाप्त कराने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि पीएम सूर्यघर योजना के वेण्डरों के द्वारा सोलर सिस्टम लगाये जाने में अच्छा काम करने वाले वेंडरों को प्रमोट करें।
जिलाधिकारी ने बैठक में उपस्थित एडीओ पंचायतों से प्रत्येक विकास खण्ड में एक ग्राम का सोलर ग्राम के रूप में चयन करते हुए गांव के शत-प्रतिशत घरों में सोलर कनेक्शन कराये जाने के लिए कहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बने सभी आवासों में पीएम सूर्यघर योजना के तहत सोलर सिस्टम लगाये जाने के लिए निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना फ्लैगशिप स्कीम है, जिसमें घरों में सोलर कनेक्शन लगाये जाने पर सरकार के द्वारा सब्सिडी प्रदान की जा रही है और सोलर कनेक्शन होने से विद्युत खपत में कमी आयेंगी तथा विद्युत बिल में बचत भी होगी, इसलिए सभी लोग इस योजना का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाये।
इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह, जिला पंचायतराज अधिकारी रवि शंकर द्विवेदी, पीओ नेडा श्रीमती कोमिल द्विवेदी, विद्युत विभाग के अधिकारी सहित अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

संपादकीय

मोदी सरकार के 12 वर्ष सेवा, सुशासन और संकल्प के नाम

नरेन्द्र मोदी सरकार के बारह वर्षों का यह कालखंड सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण, आत्मनिर्भरता और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को समर्पित रहा है।

भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में वर्ष 2014 से प्रारम्भ हुई यात्रा ने देश के विकास को नई दिशा देने का प्रयास किया है। पिछले 12 वर्षों में भारत ने अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय परिवर्तन देखे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र के साथ देश को आत्मनिर्भर, सशक्त और विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य रखा।

इन वर्षों में आधारभूत संरचना के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हुए। आधुनिक एक्सप्रेस-वे, वंदे भारत ट्रेनें, नए हवाई अड्डे, डिजिटल कनेक्टिविटी और ग्रामीण सड़कों के विस्तार ने विकास की गति को तेज किया। भारत आज दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहा है।

डिजिटल क्रांति के माध्यम से शासन को अधिक पारदर्शी और जन-केंद्रित बनाने का प्रयास किया गया। जन धन खाते, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT), UPI भुगतान प्रणाली और विभिन्न ऑनलाइन सेवाओं ने करोड़ों नागरिकों के जीवन को सरल बनाया है।

सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में गरीबों के लिए आवास, शौचालय, उज्ज्वला गैस कनेक्शन, आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं ने जीवन स्तर सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। महिलाओं के सशक्तिकरण, किसानों के हितों और युवाओं के रोजगार एवं कौशल विकास पर भी विशेष ध्यान दिया गया।

राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति के क्षेत्र में भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा बढ़ी है। आज भारत विश्व मंच पर एक प्रभावशाली और निर्णायक राष्ट्र के रूप में देखा जाता है। अंतरराष्ट्रीय आयोजनों और वैश्विक मुद्दों पर भारत की भूमिका पहले से अपेक्षा अधिक सशक्त हुई है।

वर्ष 2026 तक की यह 12 वर्षीय यात्रा केवल सरकार के कार्यकाल का विवरण नहीं, बल्कि विकसित भारत के संकल्प की ओर बढ़ते कदमों का प्रतीक है। चुनौतियाँ अभी भी हैं, लेकिन उपलब्धियों और प्रयासों के आधार पर भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य की ओर अग्रसर है।

मध्य पूर्व संकट और बुद्ध का शांति मार्ग

सुनील कुमार महला

मध्य पूर्व में अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। पाठक जानते होंगे कि पिछले कुछ समय से युद्धविराम और शांति वार्ता की उम्मीदें बार-बार बनती और टूटती रही हैं। सच तो यह है कि शांति वार्ता फिलहाल गतिरोध का शिकार दिखाई दे रही है। अमेरिका और ईरान के बीच अप्रत्यक्ष बातचीत के कई दौर हो चुके हैं, लेकिन दोनों पक्ष अपनी-अपनी शर्तों पर अड़े रहने के कारण किसी ठोस समझौते तक नहीं पहुंच सके हैं। परिणामस्वरूप शांति प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पा रही है और क्षेत्र में सैन्य गतिविधियां लगातार बढ़ रही हैं।मिसाइल, ड्रोन और हवाई हमलों की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, जिससे क्षेत्रीय अस्थिरता और गहरी हुई है। लेबनान सहित अन्य क्षेत्रों में जारी संघर्ष ने भी हालात को और जटिल बना दिया है। ईरान का आरोप है कि उस पर तथा उसके सहयोगी समूहों पर लगातार दबाव बनाया जा रहा है, जबकि अमेरिका और इजराइल क्षेत्रीय सुरक्षा के नाम पर अपनी सैन्य कार्रवाइयों को आवश्यक ठहराते हैं। बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने अमेरिका के साथ चल रही कुछ वाताओं को स्थगित कर दिया है, जिससे युद्धविराम और समझौते की संभावनाओं को झटका लगा है।

वास्तव में,इस संकट का प्रभाव केवल मध्य पूर्व तक सीमित नहीं है। होर्मुज जलडमरूमध्य विश्व के सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्गों में से एक है। वहां किसी भी प्रकार का तनाव वैश्विक तेल आपूर्ति, समुद्री व्यापार और ऊर्जा बाजार को प्रभावित कर सकता है। यही कारण है कि दुनिया भर के देश इस स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि सैन्य टकराव और धमकियों का सिलसिला जारी रहा, तो इसका प्रतिकूल प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता पर पड़ सकता है। वर्तमान स्थिति यह है कि मध्य पूर्व में न तो पूर्ण युद्ध की अवस्था है और न ही स्थायी शांति स्थापित हो सकी है। एक ओर बातचीत जारी है, तो दूसरी ओर जमीन पर तनाव भी बना हुआ है। इसलिए सभी पक्षों को सैन्य विकल्पों के बजाय संवाद, कूटनीति और आपसी विश्वास के माध्यम से स्थायी शांति का मार्ग तलाशना चाहिए। यदि अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच जल्द कोई व्यापक समझौता नहीं होता, तो इसका असर क्षेत्रीय सुरक्षा, तेल कीमतों और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है। ऐसे में स्थायी युद्धविराम और कूटनीतिक समाधान ही वर्तमान संकट का सबसे प्रभावी मार्ग है।

बहरहाल, आज विश्व में बढ़ती हिंसा, तनाव और असहिष्णुता के बीच भगवान बुद्ध का मार्ग पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक प्रतीत होता है। बुद्ध ने सत्य, अहिंसा, करुणा और मध्यम मार्ग का संदेश देकर मानवता को शांति का रास्ता दिखाया। उनका मानना था कि क्रोध, लोभ और द्वेष अधिकांश समस्याओं की जड़ हैं। यदि व्यक्ति और समाज उनके उपदेशों को अपनाएं, तो आपसी संघर्ष और वैमनस्य को काफी हद तक कम किया जा सकता है। बुद्ध का मार्ग आत्मसंयम, सहिष्णुता और मैत्रीभाव की शिक्षा देता है। आज की अशांत दुनिया में स्थायी शांति और सामाजिक सद्भाव के लिए उनके विचार प्रेरणास्रोत हैं। उनका संदेश किसी एक धर्म या समुदाय तक सीमित नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के कल्याण का संदेश है। इसलिए वर्तमान समय में बुद्ध के मार्ग को अपनाना एक बेहतर, सुरक्षित और शांतिपूर्ण भविष्य की आवश्यकता बन गया है।विशेष रूप से अमेरिका, ईरान और इजराइल के बीच बढ़ते तनाव और संघर्ष के इस दौर में भगवान बुद्ध के शांति, करुणा और अहिंसा के सिद्धांत अत्यंत प्रासंगिक दिखाई देते हैं। बुद्ध ने सिखाया था कि हिंसा से हिंसा समाप्त नहीं होती, बल्कि प्रेम, संवाद और समझ से ही स्थायी शांति स्थापित की जा सकती है। यदि सभी पक्ष टकराव और प्रतिशोध की भावना त्यागकर धैर्य, संयम और आपसी सम्मान के साथ बातचीत का मार्ग अपनाएं, तो विवादों का शांतिपूर्ण समाधान संभव है।बुद्ध का मध्यम मार्ग अतिरेक और कट्टरता से दूर रहकर संतुलित निर्णय लेने की प्रेरणा देता है।

डिजिटल बगावत की दस्तक, क्या सियासत की कसौटी पर टिकेगी?

अजय कुमार

दिल्ली का कॉन्स्टिट्यूशन क्लब अमूमन गंभीर राजनीतिक बहसों, प्रेस कॉन्फ्रेंस और रवायती नेताओं की सफेद पोशाकों का गवाह बनता रहा है। लेकिन बीते बुधवार को वहां जो कुछ हुआ, उसने भारतीय राजनीति के एक नए और अतरंगे अध्याय की आहट दे दी। तीन पढ़े-लिखे नौजवान मंच पर बैठते हैं और देश के शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग बुलंद करते हैं। यह मांग किसी स्थापित विपक्षी दल की तरफ से नहीं, बल्कि एक ऐसे संगठन की ओर से आती है जिसका नाम ह्यकॉकरोच जनता पार्टीह्न है। जो कल तक सोशल मीडिया के टाइमलाइन पर महज एक व्यंग्य, डिजिटल मजाक और कड़वे मीम्स का जरिया था, वह अब देश की राजधानी की सड़कों पर उतरने की तैयारी कर रहा है। नीट-यूजी और सीबीएसई जैसी परीक्षाओं में लगातार सामने आ रहे पेपर लीक के मामलों ने देश के युवाओं के भीतर जिस कदर हताशा और आक्रोश भरा है, यह आंदोलन उसी की एक उपज है। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या सिर्फ डिजिटल स्पेस में वायरल होकर या तंज कसकर देश की जमीनी सियासत को बदला जा सकता है? क्या यह भारतीय लोकतंत्र में युवाओं की वास्तविक छटपटाहट है या फिर सोशल मीडिया की चमक-दमक के बीच उपजा एक और अल्पकालिक तमाशा?

इस आंदोलन की रीढ़ कहे जाने वाले तीन चेहरे सौरव दास, विजेता दहिया और आशुतोष रांका अपने आप में दिलचस्प पृष्ठभूमि रखते हैं। इनमें कोई स्थापित और मझा हुआ राजनेता नहीं है। एक सजग पत्रकार और सोशल एक्टिविस्ट हैं जो आरटीआई के जरिए सरकारी तंत्र की खामियों को उजागर करते रहे हैं, तो दूसरा ध्रुव राठी जैसे बड़े मंचों के लिए गहरे शोध और स्क्रिप्ट लेखन से जुड़ा रहा है। तीसरे चेहरे को देखें तो वे आईआईटी कानपुर और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स जैसी वैश्विक संस्थाओं से पढ़कर लौटे पब्लिक पॉलिसी विशेषज्ञ हैं। ये वो युवा हैं जो अंग्रेजी बोलते हैं, इंटरनेट की बारीकियों को समझते हैं और जिनके पास अपनी बात को आधुनिक तरीके से रखने का सलीका है। आगामी 6 जून को जब इस पार्टी के संस्थापक अमेरिका से दिल्ली लौटेंगे और जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की अनुमति मांगी जाएगी, तब इस डिजिटल गुस्से की पहली असली परीक्षा जमीन पर होगी। पेपर लीक का मुद्दा निश्चित रूप से देश के करोड़ों छात्रों और उनके अभिभावकों के भविष्य से जुड़ा एक बेहद संवेदनशील और गंभीर विषय है। इस मुद्दे पर युवाओं की नाराजगी शत-प्रतिशत जायज है, लेकिन इस नाराजगी को अभिव्यक्त करने के लिए ह्यकॉकरोचह्न जैसे प्रतीक और विशुद्ध व्यंग्य का सहारा लेना इस आंदोलन की गंभीरता पर ही सवाल खड़े कर देता है।

इतिहास गवाह है कि महज आक्रोश और सोशल मीडिया के एल्गोरिदम से कभी भी स्थायी तब्दीली नहीं आती। डिजिटल दुनिया में किसी पोस्ट का ट्रेंड कर जाना या लाखों लाइक्स मिल जाना क्रांति का पैमाना नहीं हो सकता। कॉकरोच पार्टी ने युवाओं के भीतर पनप रहे असली दर्द और बेरोजगारी की कड़वी सच्चाई को बेबाकी से सामने तो रखा है, लेकिन जब बात ठोस और व्यावहारिक एजेंडे की आती है, तो यह संगठन बगलें झांकता नजर आता है। किसी भी लोकतांत्रिक देश को सिर्फ चुटकुलों, मीम्स और परफॉर्मेंस के सहारे नहीं चलाया जा सकता। एक वक्त के बाद जनता और वक्त दोनों ही मुश्किल सवाल पूछते हैं। नौकरियां कैसे पैदा होंगी? देश की लड़खड़ाती अर्थव्यवस्था को सुधारने की क्या योजना है? टैक्स ढांचा, पुलिस सुधार या विदेश नीति पर संगठन की क्या सोच है? इन बुनियादी और जटिल नीतिगत सवालों पर कॉकरोच पार्टी के पास फिलहाल कोई ठोस जवाब नहीं है। राजनीति में इस तरह की अस्पष्टता का एक फायदा जरूर होता है कि विचारधारा के स्तर पर मतभेद नहीं होते और हर तरह का असंतुष्ट तबका आपके साथ जुड़ा रहता है, लेकिन जैसे ही आप किसी एक गंभीर मुद्दे पर ठोस स्टैंड लेते हैं, आंतरिक अंतर्विरोध और मतभेद सतह पर आने लगते हैं।

इस पूरे नैरेटिव का एक खतरनाक पहलू यह भी है कि यह आंदोलन युवाओं को लगातार नकारात्मकता और व्यवस्था के प्रति घोर निराशा की ओर धकेल सकता है। सत्ता की आलोचना करना और उससे तीखे सवाल पूछना लोकतंत्र की आत्मा है, लेकिन स्वस्थ लोकतंत्र को ऐसे नागरिकों की भी जरूरत होती है जो यह विश्वास रखें कि मौजूदा तंत्र में सुधार मुमकिन है। जब अदालतें, मीडिया, चुनाव और विश्वविद्यालय जैसी हर संवैधानिक और सामाजिक संस्था सिर्फ उपहास और मजाक का विषय बनकर रह जाएगी, तो आम जनता उन्हें सुधारने की उम्मीद और कोशिश ही छोड़ देगी। यह किसी व्यवस्था के खिलाफ बगावत नहीं, बल्कि उसके सामने आत्मसमर्पण या हार मान लेने जैसी स्थिति है। इसके अलावा, आंदोलन का यह दावा भी पूरी तरह सच नहीं लगता कि यह संघर्ष कर रहे देश के हर आम युवा की आवाज है। जरा इसके अगुआ चेहरों और इसके प्रसार के दायरे को देखिए। यह मुख्य रूप से अंग्रेजी बोलने वाले, बड़े शहरों में रहने वाले और चौबीसों घंटे ऑनलाइन रहने वाले युवाओं का एक खास क्लब नजर आता है। भारत के सुदूर गांवों में रहने वाले युवा, खेतों में पसीना बहाने वाले किसान पुत्र, प्रवासी मजदूर और वे करोड़ों नौजवान जिनके पास स्मार्टफोन या हाई-स्पीड इंटरनेट तक नहीं है, वे इस पूरी तस्वीर से पूरी तरह गायब हैं। इंटरनेट पर लोकप्रियता बटोरना और देश की धूल भरी सड़कों पर उतरकर जनसमर्थन हासिल करना, दोनों दो बिल्कुल अलग छोर हैं।

दूसरी बड़ी व्यावहारिक समस्या यह है कि यह पूरा आंदोलन लगभग एक व्यक्ति के इर्द-गिर्द सिमटा हुआ शो दिखाई देता है। जब कोई आंदोलन या संगठन किसी एक चेहरे के करिश्मे पर टिक जाता है, तो उस व्यक्ति के पैर डगमगाते ही पूरा ढांचा ताश के पत्तों की तरह बिखर जाता है। भारतीय राजनीति में आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल का उदाहरण हमारे सामने है, जो एक बड़े जनआंदोलन से उपजे थे, लेकिन बाद में सत्ता के रवायती ढर्रे में ही समा गए। किसी भी वास्तविक राजनीतिक संगठन को चलाने के लिए एक मजबूत संगठनात्मक ढांचा, प्रशिक्षित कैडर और एक स्पष्ट विचारधारा की आवश्यकता होती है। सोशल मीडिया का मौजूदा मॉडल ही इस तरह तैयार किया गया है जो केवल नाराजगी, उत्तेजना और सनसनी को बढ़ावा देता है। अगर किसी आंदोलन के पास साफ सिद्धांत और अनुशासन की सीमाएं न हों, तो ऐसे मंच बहुत जल्दी अराजक तत्वों और अफवाह फैलाने वालों के आसान निशाने बन जाते हैं।

एक असहज करने वाली सच्चाई यह भी है कि मौजूदा सत्ता प्रतिष्ठानों को अक्सर इस तरह का मीम-आधारित विपक्ष रास आता है। वायरल पोस्ट और मजेदार तंज वाली यह डिजिटल बगावत उस वास्तविक युवा ऊर्जा को बिखेर देती है, जो अन्यथा एक गंभीर चुनावी या राजनीतिक चुनौती में बदल सकती थी। किसी भी मजबूत सरकार के लिए सोशल मीडिया पर मजाक उड़ाया जाना उतना बड़ा खतरा नहीं होता, जितना बड़ा डर एक संगठित, अनुशासित और जमीनी स्तर पर काम करने वाले विपक्ष से होता है। यहाँ तक कि पार्टी का चुनाव-चिह्न ह्यकॉकरोचह्न भी एक दोधारी तलवार की तरह है। भले ही यह जीव हर विपरीत परिस्थिति में जिंदा रहने की क्षमता रखता हो, लेकिन आम जनमानस में उसकी पहचान गंदगी, संक्रमण और घृणा से ही जुड़ी होती है। जब कोई प्रतीक जनता के बीच जाता है, तो वह अपने मूल अर्थ से इतर एक अलग ही छवि बना लेता है।

लब्बोलुआब यह है कि सोशल मीडिया पर मिलने वाले लाइक्स और वास्तविक राजनीतिक ताकत दो अलग-अलग चीजें हैं। वर्चुअल दुनिया किसी भी आंदोलन को कृत्रिम रूप से बहुत विशाल और प्रभावी दिखा सकती है, लेकिन यह ऑनलाइन लोकप्रियता उतनी ही तेजी से गायब भी हो जाती है, जितनी तेजी से स्क्रीन पर स्क्रॉल होती है। जैसे ही कोई नया वायरल मुद्दा आता है, लोग पुरानी बहसों को भूल जाते हैं। वास्तविक और स्थायी बदलाव के लिए धैर्य, वर्षों की कड़ी मेहनत और संगठन खड़ा करने का वह उबाऊ काम करना पड़ता है, जो इंटरनेट के इस दौर में सबसे ज्यादा मुश्किल है। भारत का युवा बेरोजगारी, महंगाई और एक संवेदनहीन व्यवस्था से सचमुच परेशान है और उसका गुस्सा शत-प्रतिशत वास्तविक है। इस गुस्से को चर्चा के केंद्र में लाने का श्रेय इस डिजिटल मुहिम को दिया जा सकता है, लेकिन किसी समस्या को रेखांकित करना और उसका व्यावहारिक समाधान निकालना, दो अलग बातें हैं। जब तक यह मजाक, तंज और मीम्स एक ठोस नीतिगत योजना में नहीं बदलते, तब तक यह कवायद भी इतिहास की उन कई इंटरनेट सनसनियों की तरह ही दर्ज होगी, जो देखने में तो बड़ी क्रांति जैसी लगीं, लेकिन अंततः व्यवस्था में कोई वास्तविक बदलाव नहीं ला सकीं।

साइबर सुरक्षा का नया सच: जितना भरोसा, उतना बड़ा जोखिम

प्रो. आरके जैन अरिजीत

आज हमारी बैंकिंग, निवेश, सरकारी सेवाएं, सामाजिक संपर्क और व्यावसायिक गतिविधियां पासवर्डों की सुरक्षा पर निर्भर हैं। इसी कारण पासवर्ड मैनेजर्स को डिजिटल सुरक्षा का सबसे भरोसेमंद साधन माना जाने लगा। करोड़ों लोगों ने विश्वास कर लिया कि एक मजबूत मास्टर पासवर्ड उनकी पूरी डिजिटल पहचान की रक्षा कर सकता है। किंतु बीते दो वर्षों की घटनाओं ने इस धारणा को झकझोर दिया है। जून 2025 में 16 अरब लॉगिन सूचनाओं के अभूतपूर्व लीक और फरवरी 2026 में ईटीएच ज्यूरिख तथा यूएसआई लुगानो के शोधकताओं द्वारा बिटवार्डन, लास्टपास, डैशलेन और वनपासवर्ड में 27 गंभीर कमजोरियों के खुलासे ने सुरक्षा के दावों पर प्रश्नचिह्न लगा दिया। अब प्रश्न यह है कि क्या पूरी डिजिटल सुरक्षा किसी एक व्यवस्था के भरोसे छोड़ी जा सकती है।

असल संकट टेक्नोलॉजी से ज्यादा ट्रस्ट का है। आज भी लगभग 94 प्रतिशत पासवर्ड्स अलग-अलग प्लेटफॉर्म्स पर रिपीट हो रहे हैं, जबकि पासवर्ड मैनेजर्स का प्रयोग सिर्फ करीब 30 परसेंट यूजर्स ही कर रहे हैं। इन्हें अपनाने वाले यूजर्स ह्यजीरो-नॉलेज एन्क्रिप्शनह्न को फाइनल सिक्योरिटी शील्ड मान लेते हैं। लेकिन हालिया अध्ययनों ने इस ट्रस्ट की परतें उधेड़ दी हैं। मैलिशियस सर्वर, की-मैनेजमेंट की वीकनेस और रिकवरी सिस्टम्स की खामियां मिलकर अटैकर्स को पूरे वॉल्ट तक पहुंचने का रास्ता दे सकती हैं। ऐसे में पासवर्ड्स सिर्फ लीक ही नहीं होते, बल्कि बदले और चोरी भी किए जा सकते हैं। इससे स्पष्ट है कि जो सिक्योरिटी अटूट दिखती है, उसकी फाउंडेशन भी उतनी मजबूत नहीं जितनी समझी जाती है।

सबसे बड़ा प्रश्न तब खड़ा होता है, जब सुरक्षा का ट्रस्ट ही रिस्क में बदलने लगे। पासवर्ड मैनेजर्स आज इसी चैलेंज से घिरे हैं। पहले एक अकाउंट का पासवर्ड चोरी होने पर नुकसान सीमित रहता था, लेकिन अब एक वॉल्ट में सेंध पूरी डिजिटल आइडेंटिटी को खतरे में डाल सकती है। लास्टपास का 2022 का डेटा उल्लंघन इसका बड़ा उदाहरण है, जिसके प्रभाव 2025-26 तक क्रिप्टो अकाउंट्स से फंड विदड्रॉल के रूप में दिखाई देते रहे। वहीं 2025 में इन्फोस्टीलर मालवेयर ने 1.8 बिलियन लॉगिन क्रेडेंशियल्स चुरा लिए। साइबर क्रिमिनल्स अब पासवर्ड मैनेजर कंपनियों के नाम पर फेक कैंपेन चलाकर यूजर्स को नकली लॉगिन पेजेज तक पहुंचा रहे हैं। सुरक्षा का प्रहरी आज स्वयं अटैकर्स के निशाने पर है।

असल चुनौती हमारी सुरक्षा संबंधी पुरानी सोच में छिपी है। अधिकांश लोग मानते हैं कि एक मजबूत मास्टर पासवर्ड ही पर्याप्त सुरक्षा दे सकता है, जबकि साइबर अटैक्स कहीं अधिक एडवांस्ड हो चुके हैं। डिवाइस-लेवल कीलॉगर, ब्राउजर की कमजोरियां, सप्लाई-चेन अटैक्स और क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर पर आक्रमण नए खतरे बनकर उभरे हैं। शोधकताओं के अनुसार शेयरिंग सिस्टम और पब्लिक-की ऑथेंटिकेशन की कमियां पूरे ग्रुप वॉल्ट को रिस्क में डाल सकती हैं। ह्यजीरो-नॉलेजह्न भी तभी तक प्रभावी है, जब तक सर्वर और उसकी प्रोसेसेज विश्वसनीय रहें। यदि आधारभूत ढांचा ही समझौता कर ले, तो एन्क्रिप्शन की सबसे मजबूत दीवार भी बेअसर हो सकती है। यही सच बताता है कि साइबर सिक्योरिटी में कोई भी टेक्नोलॉजी अजेय नहीं होती।

इसके बावजूद पासवर्ड मैनेजर्स को खारिज करना समाधान नहीं होगा। वास्तविकता यह है कि लगभग 80 प्रतिशत डेटा उल्लंघनों की जड़ पासवड्र्स का दोहराव है। पासवर्ड मैनेजर्स हर प्लेटफॉर्म के लिए अलग और जटिल पासवर्ड बनाकर इस खतरे को काफी हद तक कम करते हैं। ऑटो-फिल, सिक्योरिटी अलर्ट, डार्क वेब मॉनिटरिंग और सेंट्रलाइज्ड मैनेजमेंट जैसी सुविधाएं उनकी उपयोगिता बढ़ाती हैं। बिटवार्डन की ओपन-सोर्स ट्रांसपेरेंसी तथा वनपासवर्ड और नॉर्डपास द्वारा पासकी टेक्नोलॉजी को अपनाना भविष्य की दिशा का संकेत है। इसलिए जरूरत इन्हें छोड़ने की नहीं, बल्कि अधिक सुरक्षित और समझदारी से अपनाने की है।

साइबर सुरक्षा का अगला दौर धीरे-धीरे पासवर्ड-लेस व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। पासकी टेक्नोलॉजी क्रिप्टोग्राफिक कीज पर आधारित है, जिन्हें पारंपरिक पासवड्र्स की तुलना में चुराना या ब्रेक करना कहीं अधिक कठिन माना जाता है। यही कारण है कि इसे भविष्य की सिक्योरिटी सिस्टम की नींव माना जा रहा है। हालांकि इसका पूरा इकोसिस्टम अभी पूरी तरह मैच्योर नहीं हुआ है और सभी वेबसाइट्स तथा एप्लिकेशन्स इसे सपोर्ट नहीं करते। ऐसे में यूजर्स को पुराने और नए दोनों सिक्योरिटी फ्रेमवर्क्स के साथ चलना पड़ रहा है। पासकी रिकवरी और बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन भी नई चुनौतियां तथा प्राइवेसी से जुड़े प्रश्न खड़े करते हैं। इसलिए नई टेक्नोलॉजी के फायदे के साथ उनके रिस्क को समझना भी उतना ही जरूरी है।बढ़ते साइबर खतरों के बीच समझदारी का रास्ता सतर्क ट्रस्ट से होकर गुजरता है। एक्सपर्ट्स मजबूत मास्टर पासवर्ड, हार्डवेयर सिक्योरिटी की, मल्टी-लेयर ऑथेंटिकेशन और रेगुलर सिक्योरिटी टेस्टिंग के कॉम्बिनेशन की सलाह देते हैं। सिर्फ क्लाउड पर डिपेंड रहने के बजाय लोकल या हाइब्रिड स्टोरेज ऑप्शंस अतिरिक्त सुरक्षा दे सकते हैं। 2025 में पासवर्ड मैनेजमेंट मार्केट लगभग 3 बिलियन डॉलर का था और 2030 तक इसके तेजी से बढ़ने का अनुमान है। फिर भी यूजर विश्वास की कमी, कॉस्ट और टेक्निकल कॉम्प्लेक्सिटी बड़ी चुनौतियां बनी हुई हैं।

पर्यावरण का रखें हर पल ध्यान

पर्यावरण मतलब हमारे आस-पास का वातावरण यानी मिट्टी, हवा और पानी। स्वच्छ पर्यावरण हम सभी की उम्र में बढ़ोत्तरी करता है, लिहाजा हमें पर्यावरण की रक्षा के लिए सदैव संवेदनशील रहते हुए पर्यावरण के प्रति हमेशा एक जिम्मेदार नागरिक बने रहना चाहिए।जब हम सुबह सोकर उठें तो सबसे पहले धरती माता को प्रणाम करें क्योंकि धरती हमारे पर्यावरण का सबसे प्रमुख आधार है। बिना कुछ लिए और बिना कुछ कहे वो हमारा बोझ सहते रहती है। इसके बाद जल को प्रणाम करें। अगर सुबह हम सभी को वरूण देवता न मिलें तो फिर आगे की हमारी समस्त दिनचर्या, सभी धर्म, कर्म धरे के धरे रह जाएंगे।

इसलिए ही जल को भी महत्वपूर्ण मानते हुए हम सभी को अधिक से अधिक पानी बचाना चाहिए। इसके बाद अधिक से अधिक पेड़ लगाना चाहिए ताकि हम धरती के लोगों को हमेशा स्वच्छ हवा मिलती रहे।

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में

बिजली बचाने में भी हमें सबसे आगे रहना चाहिए। साथ ही प्लास्टिक का उपयोग बंद करके हम पर्यावरण को हर पल एक नई संजीवनी दे सकते हैं। धरती को हमेशा हरी भरी बनाने के लिए और उसके आवरण, पर्यावरण को स्वच्छ रखते हुए उसे बचाने के लिए हमारे को हमेशा नील नील आसमान चाहिए। इसके लिए हवा को शुद्ध करते हुए पानी को भी बचाते हुए अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिए और बच्चों में भी यह जागरूकता पैदा करना चाहिए। बच्चों के जन्मदिवस पर पौधरोपण करने के साथ उसके पेड़ बनने के तक उसका संरक्षण करने के लिए बच्चों को ही उसके पालक बनने के लिए प्रेरित करना चाहिए।प्रख्यात तत्व चिंतक हिप्पोक्रेट्स ने कहा था कि प्रकृति स्वयं ही सर्वश्रेष्ठ चिकित्सक है अपने जीवन में कभी न कभी हममें से कई लोग प्रकृति की गोद में घूमने गए हैं और तरोताजा और तनावमुक्त होकर लौटे हैं। प्रकृति यानी आस पास के पर्यावरण के प्राकृतिक चक्र में हम अपने स्वार्थ के लिए किसी तरह की कोई गड़बड़ी करते हैं तो प्रकृति हमको इसका विपरीत जवाब दे देती है, जो हमारे जीवन के लिए काफी नुकसानदायक होता है।इसलिए भी प्रकृति को सर्वोत्तम चिकित्सक कहते हैं क्योंकि वह अपनी सामान्य प्रक्रिया को संतुलित रखने के लिए हमेशा अपने ढंग से अपनी व्यवस्था उचित तरीके से कर लेती है। प्राकृतिक आपदा प्रकृति के संतुलन की ही एक प्रक्रिया है। लिहाजा प्रकृति के साथ हमेशा संतुलन बनाकर हमें आगे बढ़ने की कोशिश करनी चाहिए। तभी हम प्राकृतिक आपदा से भी बच सकेंगे।पर्यावरण की रक्षा करना न केवल हमारा नैतिक दायित्व है, बल्कि हमारे भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए भी यह अति आवश्यक है। जलवायु परिवर्तन के प्रभाव, बढ़ते तापमान, पिघलते ग्लेशियर, चरम मौसमी घटनाओं और घटती जैव विविधता के रूप में हम पहले से ही देख रहे हैं कि अगर पर्यावरण के संरक्षण में तत्काल कोई कार्रवाई और प्रयास नहीं किए गए तो जलवायु परिवर्तन के ये कुप्रभाव और भी बदतर हो जाएंगे और मानव समाज और प्राकृतिक जगत दोनों के लिए दूरगामी हानिकारक परिणाम होंगे। पर्यावरण संरक्षण के सबसे महत्वपूर्ण उपायों में से एक है यथासंभव चीजों का कम से कम उपयोग करना, और पुनः उसका उपयोग करना या पुनर्चक्रण करना। पुनर्चक्रण या खाद बनाकर आप पर्यावरण पर अपने प्रभाव को कम कर सकते हैं। अपनी कार चलाने के बजाय सार्वजनिक परिवहन का अधिक से अधिक उपयोग करना कार्बन उत्सर्जन को कम करने का एक शानदार तरीका है। यदि आप सार्वजनिक परिवहन का उपयोग नहीं कर सकते हैं, तो दोस्तों या सहकर्मियों के साथ कारपूलिंग करने पर विचार करें। स्थानीय स्तर पर उत्पादित सामान और उत्पाद खरीदने से आपके कार्बन फुटप्रिंट को कम करने में मदद मिल सकती है। स्थानीय भोजन को आप तक पहुंचने के लिए लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ती, जिसका अर्थ है कम से कम कार्बन उत्सर्जन। कमरे से बाहर निकलते समय लाइट बंद करना चाहिए। ऊर्जा बचाने और कार्बन उत्सर्जन कम करने का यह भी एक आसान तरीका है। साथ ही, उन सभी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को भी बंद करना सुनिश्चित करें जिनका आप उपयोग नहीं कर रहे हैं।अधिक से अधिक पेड़ लगाना पर्यावरण की मदद करने का एक बेहतरीन तरीका है। पेड़ कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करते हैं और ऑक्सीजन का उत्पादन करते हैं, जिससे हवा को साफ करने और ग्लोबल वार्मिंग को कम करने में मदद मिलती है। हम पर्यावरण के संरक्षण और पुनर्जनन के लिए प्रतिबद्ध हों, क्योंकि हम जानते हैं कि पर्यावरण की रक्षा करना ही भावी पीढ़ियों के लिए हमारी सर्वोत्तम विरासत हो सकती है।

एकीकृत और जैविक उत्पादन भी

कृषि एवं अनुसंधान के क्षेत्र में संसाधनों की कोई कमी नहीं है : सूर्य प्रताप शाही

वाराणसी।
उत्तर प्रदेश स्थित काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान संस्थान की ओर से परिसर स्थित शताब्दी कृषि प्रेक्षागृह में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला की शुरूआत बुधवार से हुई। "सुपर एल-नीनो वर्ष 2026 में धान की सीधी बुवाई एवं वैकल्पिक फसलें" विषयक इस कार्यशाला में सुपर एल-नीनो, जलवायु परिवर्तन तथा जल संकट के परिप्रेक्ष्य में कृषि क्षेत्र के समक्ष उभरती चुनौतियों के समाधान, वैज्ञानिक तकनीकों, प्रत्यक्ष बुवाई धान (डीएसआर) एवं वैकल्पिक फसल प्रणालियों पर मंथन हुआ।
कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने धान की सीधी बुवाई तकनीक को भविष्य की आवश्यकता बताया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार किसानों की आय वृद्धि, जल संरक्षण तथा टिकाऊ कृषि को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। धान की सीधी

बुवाई तकनीक से जल, समय एवं लागत की बचत के साथ कृषि उत्पादन प्रणाली अधिक जलवायु-अनुकूल बन सकती है। उन्होंने कहा कि कृषि एवं अनुसंधान के क्षेत्र में संसाधनों की कोई कमी नहीं है तथा किसानों की वास्तविक समस्याओं से जुड़े अनुसंधान एवं नवाचारों को सरकार द्वारा हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा।

कृषि मंत्री ने कहा कि किसानों को वैज्ञानिक तकनीकों को अपनाते हुए कृषि विश्वविद्यालयों एवं अनुसंधान संस्थानों द्वारा विकसित ज्ञान एवं तकनीकों का लाभ उठाना चाहिए। कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए बीएचयू के कुलपति प्रो.अजित कुमार चतुर्वेदी ने कहा कि कृषि अनुसंधान के क्षेत्र में संसाधनों की कमी नहीं है, आवश्यकता ऐसे शोध कार्यों की है जो किसानों की वास्तविक समस्याओं और आवश्यकताओं से जुड़ी हों। उन्होंने वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों का आह्वान किया कि वे जमीनी स्तर की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए अनुसंधान कार्यों को आगे बढ़ाएँ।
प्रो. चतुर्वेदी ने कहा कि कृषि विश्वविद्यालयों, कृषि विज्ञान केंद्रों, अनुसंधान संस्थानों तथा किसानों के बीच निरंतर संवाद समय की आवश्यकता है। उन्होंने कृषि विज्ञान संस्थान द्वारा किसानों और वैज्ञानिक समुदाय को एक साझा मंच पर लाने की पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास अनुसंधान को अधिक व्यवहारिक, समाजोपयोगी एवं परिणामोन्मुख बनाने में सहायक सिद्ध होंगे। उन्होंने कहा कि बीएचयू एवं आईआईटी (बीएचयू) पूर्वी उत्तर प्रदेश के किसानों के हित में कृषि प्रौद्योगिकी, कृषि उद्यमिता, बीज उत्पादन, बेहतर फसल किस्मों का विकास तथा नवाचार के क्षेत्रों में मिलकर कार्य कर रहे हैं।
गोष्ठी में अतिथियों का स्वागत करते हुए कृषि विज्ञान संस्थान के निदेशक प्रो. यू. पी. सिंह ने कहा कि सुपर एल-नीनो जैसी परिस्थितियों में जलवायु-स्मार्ट कृषि पद्धतियों को अपनाना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि धान की सीधी बुवाई जल संरक्षण, श्रम लागत में कमी तथा समयबद्ध कृषि प्रबंधन के माध्यम से कृषि को अधिक टिकाऊ एवं लाभकारी बनाने की क्षमता रखती है।

भाजपा विधान परिषद चुनाव में वाराणसी स्नातक सीट जीतने की बना रही रणनीति, जल्द घोषित होगा उम्मीदवार

वाराणसी।
भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) वाराणसी स्नातक क्षेत्र का एमएलसी चुनाव जीतने के लिए चिंतन मंथन कर रही है। ठोस रणनीति पर काम हो रहा है। वर्तमान में इस सीट पर समाजवादी पार्टी का कब्जा है। दिसम्बर माह 2026 में एमएलसी स्नातक चुनाव होना है । माना जा रहा है भाजपा की ओर से जल्द ही प्रत्याशी के नाम की घोषणा करेगी।
भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के वाराणसी आगमन पर स्नातक एमएलसी टिकट की दौड़ में शामिल चेहरे सक्रिय दिखे और कई दावेदार प्रदेश अध्यक्ष से मिले भी। एमएलसी स्नातक चुनाव के संबंध में भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप पटेल ने दो टूक कहा कि स्नातक एमएलसी सीट पर प्रत्याशी के नाम की घोषणा बहुत जल्द हो जाएगी। भाजपा के पुराने और सक्रिय

कार्यकर्ता को इसमें महत्व दिया जाएगा। इस बार पूरी ताकत के साथ हम चुनाव मैदान में उतरने जा रहे हैं और जीत भी हासिल करेंगे। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के पूर्व कार्यकर्ता राजीव पाण्डेय ने एक बयान में कहा कि पूर्व के चुनाव के भांति इस बार भी विद्यार्थी परिषद के पुराने छात्र नेता अथवा कार्यकर्तागण टिकट के दावेदारी में है। स्नातक एमएलसी चुनाव में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की बड़ी भूमिका रहती है। बता दें कि पिछली बार चुनाव में भाजपा के प्रत्याशी केदारनाथ सिंह वाराणसी स्नातक एमएलसी चुनाव हार गए थे। इस बार फिर से केदारनाथ सिंह टिकट की दावेदारी कर रहे हैं। केदार नाथ सिंह की टीम के सभी सदस्य पूरी स्फूर्ति के साथ टिकट के लिए डटे हुए हैं। वहीं समाजवादी पार्टी ने एमएलसी आशुतोष सिन्हा को ही एक बार फिर प्रत्याशी बनाया है।

मां विंध्यवासिनी धाम की 11 दान पेटिकाओं से निकले 18.27 लाख रुपये, बैंक खाते में जमा

मीरजापुर।
मां विंध्यवासिनी मंदिर में स्थापित दान पात्रों से बुधवार को श्रद्धालुओं द्वारा अर्पित धनराशि की गणना की गई। कुल 11 दान पेटिकाओं से 18 लाख 27 हजार 523 रुपये प्राप्त हुए, जिन्हें विंध्य विकास परिषद के पदेन अध्यक्ष एवं जिलाधिकारी के खाते में भारतीय स्टेट बैंक की विंध्याचल शाखा में जमा कराया गया।
बुधवार सुबह मंदिर परिक्रमा मार्ग स्थित 18 नंबर दान पात्र से धुआं और आग लगने की सूचना मिलने के बाद प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लिया। नगर मजिस्ट्रेट के

निर्देश पर संबंधित दान पात्र के साथ अन्य दान पेटिकाओं को भी खोलकर जांच एवं धनराशि की गणना कराई गई।
नायब तहसीलदार गरिमा यादव की देखरेख में 11 दान पेटिकाओं को खोला गया। दान राशि की गिनती मंदिर परिसर की छत पर स्थित श्री विंध्य पंडा समाज कार्यालय में पुलिस सुरक्षा और सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में संपन्न हुई, जिससे प्रक्रिया की पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सके। गणना पूरी होने के बाद प्राप्त धनराशि को नियमानुसार भारतीय स्टेट बैंक, विंध्याचल शाखा में जमा कराया गया। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार पूरी प्रक्रिया शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। इस दौरान राजस्व कर्मी सूरज सोनकर, विजय शंकर दुबे, हरेंद्र दुबे, अनिल सोनकर, राकेश सोनकर, महेश सोनकर, चंद्रमणि तिवारी, शिव चौरसिया, घनश्याम पांडे सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे और गणना कार्य में सहयोग किया।

निजी कार्यक्रम में शामिल होने कानपुर पहुंचे संघ प्रमुख मोहन भागवत

कानपुर।
राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत गुरुवार को उत्तर प्रदेश के शहर कानपुर पहुंचे। उनका यह दौरा एक निजी पारिवारिक कार्यक्रम के सिलसिले में है। उनके आगमन के मद्देनजर रेलवे स्टेशन से लेकर कार्यक्रम स्थल तक सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए।
मोहन भागवत सुबह डिब्रूगढ़ राजधानी एक्सप्रेस से कानपुर सेंट्रल स्टेशन

पहुंचे। इसके बाद कड़ी सुरक्षा व्यवस्था में वाहन से सिविल लाइंस स्थित विश्राम स्थल के लिए रवाना हुए। उनके आगमन को देखते हुए स्टेशन परिसर में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया था।
दरअसल, पूर्व क्षेत्र संघचालक वीरेंद्रजीत सिंह की पौत्री एवं वरिष्ठ समाजसेविका एवं शिक्षाविद डॉ. नीतू सिंह के परिवार में शादी का कार्यक्रम है। उनकी सुपुत्री वसुंधरा का विवाह 21 जून को संपन्न होना है। इस मुख्य विवाह कार्यक्रम से पहले आज आजाद नगर में एक विशेष आशीर्वाद समारोह रखा गया है। संघ प्रमुख इसी आशीर्वाद कार्यक्रम में पहुंचकर नए जोड़े को अपनी शुभकामनाएं और आशीर्वाद देंगे।
कार्यक्रम में सामाजिक, शैक्षणिक, राजनीतिक और विभिन्न संगठनों से जुड़े कई प्रमुख लोगों के शामिल होने की संभावना है। इसी कारण कार्यक्रम सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया गया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार निर्धारित समय के दौरान कुछ मार्गों पर यातायात नियंत्रित रहेगा। कार्यक्रम स्थल के आसपास भारी वाहनों की आवाजाही सीमित की गई है ताकि सुरक्षा व्यवस्था और वीआईपी मूवमेंट प्रभावित न हो। प्रशासन ने लोगों से ट्रैफिक संबंधी निदेर्शों का पालन करने और आवश्यकता पड़ने पर वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने की अपील की है।

दो घंटे की देरी और टूट गया सपना

जाम में फंसी छात्रा नहीं दे सकी पुलिस भर्ती परीक्षा

हमीरपुर ।
उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती परीक्षा देने बुधवार को आई एक अभ्यर्थी समय पर परीक्षा केंद्र नहीं पहुंच सकी, जिससे उसका पुलिस में भर्ती होने का सपना अधूरा रह गया। अभ्यर्थी व उसकी माँ ने राष्ट्रीय राजमार्ग-34 पर जाम लगने का आरोप लगाया, जबकि पुलिस प्रशासन ने जिले में कहीं भी जाम की सूचना मिलने से इनकार किया है।
जानकारी के अनुसार कानपुर निवासी वंशिका का परीक्षा केंद्र हमीरपुर मुख्यालय स्थित राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में था। प्रथम पाली की परीक्षा के लिए सुबह 8 बजे तक प्रवेश दिया जाना था, लेकिन अभ्यर्थी करीब 10 बजे के बाद केंद्र पहुंची। निर्धारित समय निकल जाने के कारण उसे परीक्षा में शामिल होने की अनुमति नहीं मिली। परीक्षा छूटने के बाद छात्रा और उसकी मां अनुराधा भावुक हो गईं। मां ने अधिकारियों से बेटी को परीक्षा में शामिल कराने की गुहार लगाई, लेकिन परीक्षा नियमों के चलते प्रवेश नहीं मिल सका। इसके बाद दोनों मायूस होकर वापस लौट गईं। ए.एसपी एके वर्मा ने बताया कि परीक्षा को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी केंद्रों व प्रमुख मार्गों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात था। पुलिस का दावा है कि परीक्षा अवधि में एनएच-34 समेत किसी भी प्रमुख मार्ग पर जाम की सूचना नहीं मिली और यातायात सामान्य रूप से संचालित रहा।

विद्युत करंट लगने से युवक की मौत

अमेठी।
अमेठी जनपद अंतर्गत जगदीशपुर थाना क्षेत्र के कपूरीपुर गांव में बुधवार को एक दर्दनाक हादसे में युवक की करंट लगने से मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस आवश्यक वैधानिक कार्रवाई में जुटी हुई है।
प्राप्त जानकारी के अनुसार जगदीशपुर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत कपूरीपुर गांव निवासी राजन शर्मा (22) पुत्र उदयभान शर्मा बिजली के तारों को छील रहा था। इसी दौरान अचानक तारों में विद्युत आपूर्ति शुरू हो गई। करंट की चपेट में आने से राजन गंभीर रूप से झुलस गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। युवक की मौत से परिवार के सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है।
जगदीशपुर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक धीरेंद्र कुमार यादव ने बताया कि घटना की जानकारी प्राप्त हुई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी करते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

भूमि विवाद में खूनी संघर्ष, एक की मौत व चार गंभीर घायल

जौनपुर।
यूपी के जौनपुर स्थित बक्शा थाना क्षेत्र के कौली गांव में बुधवार रात भूमि विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हुई मारपीट में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है और पुलिस आरोपियों की तलाश में जुट गई है।
थाना अंतर्गत कौली गांव निवासी अजय कुमार सिंह (48) का पड़ोसी दानबहादुर शर्मा और तेजबहादुर शर्मा से भूमि को लेकर विवाद चल रहा था। बुधवार शाम करीब 7:30 बजे दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हुई, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गई। आरोप है कि विवाद के दौरान लाठी-डंडों से हमला किया गया, जिसमें अजय सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए।
घटना की सूचना मिलने पर उनके परिजन अखिलेश सिंह, हिमांशु सिंह, शिवम सिंह और आकृति सिंह मौके पर पहुंचे। आरोप है कि हमलावरों ने उन पर भी हमला कर दिया, जिससे वे भी गंभीर रूप से घायल हो गए।घटना के बाद ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को नौपेड़वा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल में उपचार के दौरान अजय सिंह (48) की मौत हो गई, जबकि अन्य घायलों का इलाज जारी है।
सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष विक्रम लक्ष्मण सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी।

चौबीस घंटे बाद बरामद हुआ नदी में डूबे वृद्ध का शव

हमीरपुर ।
उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में मौदहा कोतवाली क्षेत्र के गांव परछा में चन्द्रावल नदी में डूबे एक बुजुर्ग का शव बुधवार को सर्च आपरेशन मे पुलिस ने बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है !
उल्लेखनीय है कि गांव परछा निवासी राम औतार उर्फ बौरा यादव 77 पुत्र चुनूबाद मंगलवार को भैंस चराने के लिए खेतों की तरफ गया था। उसके लापता होने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंचकर जाँच की थी। चंद्रावल नदी के किनारे उसके कपड़े और जूते देख पुलिस ने नदी मे सर्च आपरेशन चलाया।

पुलिस मुठभेड़ में पीलीभीत के दो बदमाश घायल, आरक्षी को भी लगी गोली

शाहजहांपुर।
उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर स्थित थाना सिंधौली क्षेत्र में बुधवार देर रात पुलिस और लूट के दो आरोपितों के बीच हुई मुठभेड़ में दोनों बदमाश तथा एक आरक्षी गोली लगने से घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया है।
पुलिस क्षेत्राधिकारी पुवायां प्रवीण मलिक ने गुरुवार को बताया कि एसओजी और सिंधौली पुलिस को सूचना मिली थी कि लूट के मामलों में वांछित दो आरोपित मोटरसाइकिल से रिंग रोड के

रास्ते भागने की फिराक में हैं। सूचना पर संयुक्त पुलिस टीम ने बाबा त्रिलोकीनाथ मंदिर के पास चेकिंग अभियान शुरू किया। इसी दौरान मोटरसाइकिल से आ रहे दोनों संदिग्धों को रुकने का इशारा किया गया, लेकिन वे बाइक मोड़कर भागने लगे। पुलिस ने पीछा किया तो बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी।
बदमाशों की गोली से आरक्षी सुनील घायल हो गए, जबकि एक गोली पुलिस वाहन के अगले शीशे में भी लगी।
पुलिस की जवाबी कार्रवाई में जनपद पीलीभीत के थाना दियोरिया कलां क्षेत्र के गांव पिपरिया संजरपुर निवासी राम और उसका भाई श्याम पैर में गोली लगने से घायल हो गए। दोनों को मौके पर गिरफ्तार कर लिया गया।
पुलिस ने बदमाशों के कब्जे से एक डिस्कवर मोटरसाइकिल, दो तमंचे, कारतूस, दो जोड़ी कुंडल तथा एक जोड़ी झुमके बरामद किए हैं।
सीओ ने बताया कि गिरफ्तार बदमाशों ने 27 मई और 30 मई को सिंधौली क्षेत्र तथा 7 जून को पुवायां क्षेत्र में हुई छिनैती की घटनाओं को अंजाम दिया था। आरोपितों की तलाश में पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और सर्विलांस की मदद ली थी।
उन्होंने बताया कि दोनों आरोपितों का लंबा आपराधिक इतिहास है और उनके विरुद्ध करीब दो दर्जन मुकदमे दर्ज हैं।
मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

रील बनाने के चक्कर में सरोवर में डूबा छात्र, मौत

गोरखपुर।
बेलीपार थाना क्षेत्र के शिव मंदिर भौवापार स्थित सरोवर में बुधवार को रील बनाने के दौरान एक दर्दनाक हादसा हो गया। गहरे पानी में जाने से हाईस्कूल के छात्र की डूबकर मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस, एसडीआरएफ टीम और स्थानीय गोताखोरों ने करीब चार घंटे तक चले सर्च ऑपरेशन के बाद छात्र का शव बरामद किया। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया है।
मृतक की पहचान बगही गांव निवासी शिवम गुप्ता (16/17 वर्ष) के रूप में हुई है। वह हाईस्कूल का छात्र था और अपने दो भाइयों में बड़ा था। उसका छोटा भाई पवन कुमार कक्षा 08 का छात्र है।

जानकारी के अनुसार, शिवम बुधवार सुबह अपने तीन दोस्तों के साथ एक बाइक से शिव मंदिर भौवापार स्थित सरोवर पर नहाने गया था। वहां दो दोस्त पानी में नहाने लगे, जबकि अन्य दोस्त मोबाइल से रील बना रहे थे। इसी दौरान शिवम रील बनाने के क्रम में सरोवर के गहरे हिस्से में पहुंच गया और अचानक डूबने लगा।
प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शिवम को डूबता देख उसका एक दोस्त उसे बचाने के लिए पानी में कूद पड़ा, लेकिन वह सफल नहीं हो सका। देखते ही देखते शिवम गहरे पानी में समा गया। दोस्तों के शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और बचाव का प्रयास किया, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी।
घटना की सूचना मिलते ही बेलीपार पुलिस मौके पर पहुंची और SDRF टीम को बुलाया गया।
स्थानीय गोताखोरों के सहयोग से चलाए गए सघन खोज अभियान के बाद लगभग चार घंटे की कड़ी मशक्कत के पश्चात शिवम का शव सरोवर से बाहर निकाला गया। पुलिस ने पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए बीआरडी मेडिकल कॉलेज भेज दिया।
घटना की खबर मिलते ही मृतक के परिजन मौके पर पहुंच गए। बेटे का शव देखकर माता-पिता बदहवास हो गए और परिवार में चीख-पुकार मच गई। इस हृदयविदारक हादसे से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है।

लड़कियों के साथ छेडखानी का आरोपित पुलिस मुठभेड़ मे घायल

सुलतानपुर।
उत्तर प्रदेश के जिला सुलतानपुर स्थित थाना कोतवाली नगर क्षेत्रान्तर्गत "दो सगी बहनों से छेड़खानी का आरोपित पुलिस एवं एसओजी की मुठभेड़ में घायल हो गया। उसके पास से एक तमंचा व चोरी की बाइक बरामद हुई है।
अपर पुलिस अधीक्षक बृजनारायण सिंह ने गुरुवार को बताया कि बीती रात्रि में लगभग सवा दो बजे के आसपास थाना कोतवाली नगर को यह सूचना प्राप्त होती है कि एक अभियुक्त हवाई पट्टी के पास खड़ा है। यदि उसको रोका जाए तो उसके पास से लाभप्रद परिणाम प्राप्त होंगे। सूचना के आधार पर जनपदीय एसओजी टीम और स्थानीय थाना कोतवाली नगर की टीम द्वारा घेराबंदी कर पकड़ने का प्रयास किया गया। यह देख आरोपित ने पुलिस टीम पर फायर कर दिया। पुलिस ने भी आत्मरक्षार्थ जबाबी कार्यवाही मे आरोपित घायल हो गया ।
उसके दाहिने पैर में गोली लग गई। उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा गया, जहां उसकी हालत खतरे के बाहर बताई जा रही है। पुलिस पूछताछ में उसने बताया कि उसका नाम मोहम्मद आसिफ, पुत्र इश्तियाक अहमद, उम्र 27 वर्ष, निवासी शास्त्री नगर, थाना कोतवाली नगर का निवासी है।

वाराणसी: मामूली विवाद में युवक ने वृद्ध किराना दुकानदार को मारी गोली

वाराणसी।
उत्तर प्रदेश के वाराणसी जनपद अंतर्गत चौबेपुर थाना क्षेत्र के लुठा खुर्द गांव में गुरुवार सुबह मामूली विवाद में एक युवक ने 75 वर्षीय वृद्ध दुकानदार पर तमंचे से गोली मार दी। गोली वृद्ध के कंधे में लगी। घटना के बाद हमलावर ग्रामीणों को धमकाते हुए मौके से फरार हो गया। घायल वृद्ध को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, लुठा खुर्द गांव के निवासी लल्लू गुप्ता (75) गांव में ही अपनी जनरल स्टोर (किराने) की दुकान चलाते हैं। गुरुवार सुबह वह प्रतिदिन की भांति अपनी दुकान में बैठे थे। तभी गांव का ही एक युवक दुकान पर सामान लेने पहुंचा। दुकानदार लल्लू गुप्ता ने सामान की कीमत बताई, तो युवक ने सामान महंगा होने का आरोप लगाते हुए बहस शुरू कर दी। देखते ही देखते दोनों के बीच बात इतनी बढ़ गई कि तीखी नोकझोंक हाथापाई में बदल गई। इस दौरान आक्रोशित युवक ने तमंचा से वृद्ध दुकानदार पर फायर झोंक दिया।
गोली दुकानदार वृद्ध लल्लू गुप्ता के कंधे के पार निकल गई, जिससे वह लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़े। गोली की आवाज और वृद्ध की चीख-पुकार सुनकर परिजन और आस-पास के ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे। भीड़ को देख आरोपित युवक लोगों को धमकाते हुए मौके से भाग निकला। परिजनों और ग्रामीणों ने तत्काल घटना की सूचना चौबेपुर थाना पुलिस को दी और घायल वृद्ध को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) नरपतपुर पहुंचाया, जहाँ डॉक्टरों की टीम उनका उपचार कर रही है।
सारनाथ एसीपी ने बताया कि लुठा खुर्द गांव में सुबह सामान के लेनदेन को लेकर वृद्ध दुकानदार को गोली मारी गई है। घायल व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और वह खतरे से बाहर हैं। परिजनों से तहरीर लेकर मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें लगा दी गई हैं।

'डार्क पैटर्न' से भारतीय ग्राहकों को हर साल हो रहा 28,000 करोड़ का नुकसान

बेमतलब शुल्क थोपने वाले तरीकों से ग्राहकों के व्यवहार में आ रहा बदलाव

नई दिल्ली।

भारत का तेजी से बढ़ता डिजिटल कारोबार चकमा देने वाले इंटरफेस डिजाइन के कारण भारी वित्तीय नुकसान से गुजर रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक 'डार्क पैटर्न' की वजह से भारतीय ग्राहकों को हर साल अनुमानित 25,000 से 28,000 करोड़ का नुकसान हो रहा है। देश में ऑनलाइन के जरिए खरीदारी करने वाले 30.4 करोड़ लोगों में 88 फीसदी को हर महीने अनुमानित 78 से 87 रुपए का नुकसान हो रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक सीधे नुकसान के अलावा बेमतलब के शुल्क थोपने वाले ये तरीके ग्राहकों के व्यवहार में भी बड़े बदलाव ला रहे हैं। इससे 55,000 करोड़ रुपए से ज्यादा के सकल उत्पाद मूल्य जोखिम में पड़ गए हैं क्योंकि उपयोगकर्ता खर्च कम कर रहे हैं या अपने लिए बेहद ठोस विकल्प की तलाश कर रहे हैं। इन खतरों के बावजूद रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ऑनलाइन खरीदारी का चलन कम नहीं होने जा रहा। रिपोर्ट से पता चलता है कि अब 63 फीसदी ऑनलाइन भुगतान उपभोक्ता डिजिटल लेनदेन में छिपे हुए चार्ज या 'ड्रिप प्राइसिंग' का सामना करते हैं। यह वर्ष 2024 में बताए गए 52 फीसदी के आंकड़े से ज्यादा है। रिपोर्ट के मुताबिक नतीजों से पता चलता है कि मौजूदा नियामकीय हस्तक्षेप ऐसे तरीकों को रोकने में अब तक आंशिक रूप से सफल रहे हैं। ये तरीके ई-कॉमर्स, बैंकिंग, ट्रैवल, राइड-हेलिंग, बीमा, ऑनलाइन भुगतान और डिजिटल उधारी प्लेटफॉर्म पर लाखों ग्राहकों को प्रभावित कर रहे हैं। रिपोर्ट में इस बात पर जोर दिया गया है कि कैसे 'डार्क पैटर्न' भारत के डिजिटल तंत्र में एक बड़ी समस्या बन गए हैं। मौजूदा सर्वेक्षण के नतीजों से पता चलता है कि 73 फीसदी प्लेटफॉर्म ऐसे तरीके अपनाते हैं जिससे उपयोगकर्ता ऐसे काम करने के लिए विवश हो जाते हैं जो वे शायद कभी नहीं करते। 69 फीसदी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म 'ड्रिप प्राइसिंग' के तरीके अपनाते हैं जिसमें अतिरिक्त फीस का पता चेकआउट के आखिरी चरण में ही चलता है। वर्ष 2026 की पहली तिमाही में की गई इस रिपोर्ट में 50 शहरों के 2,590 से ज्यादा ग्राहकों से बात की गई और क्विक कॉमर्स, ई-कॉमर्स और ऑनलाइन यात्रा क्षेत्र की 12 कंपनियों का आकलन किया गया। इसमें 'डार्क पैटर्न' से ग्राहकों पर आर्थिक असर और भरोसे में कमी का विश्लेषण किया गया। इसमें सबसे अच्छा और सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले प्लेटफॉर्म के बीच 92 अंक का अंतर सामने आया। सीधे आर्थिक नुकसान और उपभोक्ताओं के बदलते व्यवहार का मिला-जुला असर यह दिखाता है कि 'डार्क पैटर्न' अब केवल उपभोक्ता की सुरक्षा का मामला नहीं रह गया है बल्कि यह भारत के डिजिटल कॉमर्स तंत्र की लंबे समय की स्थिरता पर असर डालने वाली एक बड़ी व्यापक आर्थिक चुनौती बन गए हैं। रिपोर्ट में भारतीय उपभोक्ताओं के बीच जानकारी और असलियत में अंतर की बात भी कही गई है। इसके मुताबिक 81 फीसदी लोगों ने कहा कि उन्हें डार्क पैटर्न के बारे में पता है, वहीं 85 फीसदी ने माना कि वे फिर भी इनके कारण गुमराह हुए। 74 फीसदी उपभोक्ताओं ने कहा कि वे ऐसे प्लेटफॉर्म के लिए अधिक रकम देने को तैयार हैं जो सही और पारदर्शी तरीके अपनाते हैं। साथ ही, उपभोक्ता ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर अपना खर्च कम करने की भी योजना बना रहे हैं, खासकर ऑनलाइन यात्रा के मामले में जहां खर्च 15 फीसदी तक कम हो सकता है। रिपोर्ट में मौजूदा परिभाषाओं और इन्हें लागू करने के नियमों में अस्पष्टता को लेकर चिंता जताई गई है। चकमा देने वाले तरीकों और सही व्यावसायिक तरीके के बीच अंतर साफ नहीं होने से कारोबारी नियमों के पालन और उन्हें लागू करने की उम्मीदों को लेकर अनिश्चितता का सामना करना पड़ सकता है।

देशभर के घरों में लगी इन्वर्टर बैटरियां कर सकती हैं बिजली स्टोर

बैटरियां बिजली व्यवस्था को संभालने में निभा सकती हैं बड़ी भूमिका

नई दिल्ली।

भारत में इन्वर्टर बैटरियां कोई नई चीज नहीं हैं। बिजली जाने पर पंखा, बल्ब और टीवी चलाने के लिए लोग सालों से इसका इस्तेमाल कर रहे हैं, लेकिन अब विशेषज्ञों का कहना है कि यही बैटरियां देश की बिजली व्यवस्था को संभालने में बड़ी भूमिका निभा सकती हैं। ये बिजली रहने पर चार्ज होती हैं और कटौती होने पर कुछ घंटों तक जरूरी उपकरण चलाती हैं। श्नाइडर इलेक्ट्रिक की अधिकारी प्रीति बजाज का कहना है कि भारत कई विकसित देशों से पहले ही घर-घर ऊर्जा स्टोरेज का मॉडल अपना चुका है।भारत में ल्यूमिनस जैसी कंपनियों के करोड़ों ग्राहक हैं। अनुमान है कि देशभर में लगी इन्वर्टर बैटरियां मिलकर इतनी बिजली स्टोर कर सकती हैं, जितनी दुनिया के कई बड़े बैटरी नेटवर्क करते हैं।

शेयर बाजार सपाट बंद

सेंसेक्स 64 अंक उछला, निफ्टी 27 अंक गिरा

मुम्बई।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को सपाट बंद हुआ। दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही अंतिम समय पर बिकवाली हावी होने से बाजार ने आज दिन भर में हासिल बढ़त गंवा दी। शेयर बाजार सुबह गिरावट के साथ खुला पर समय बीतने के साथ ही इसमें तेजी आने लगी। दिन में एक समय बीएसई सेंसेक्स करीब 700 अंक की बढ़त पर था पर आंखिरी घंटे में उसने ये बढ़त खो दी । जिससे बाजार बंद होते समय सेंसेक्स हल्की बढ़त पर बंद हुआ जबकि निफ्टी में गिरावट रही। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 64.42 अंक बढ़कर हल्की तेजी के साथ 73,983.18 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 27.15 अंक की गिरावट के साथ 23,214.95 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 20 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। आज बजाज फिनसर्व, टाइटन, एचसीएल टेक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारती एयरटेल के शेयरों में गिरावट रही। इसके अलावा हिंदुस्तान यूनिलीवर, एक्सिस बैंक, कोटक बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक और आईटीसी के शेयर भी गिरे। वहीं निफ्टी में कोल इंडिया और ओएनजीसी के शेयरों में गिरावट रही। निफ्टी मिडकैप में 1.49 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप में 1.33 फीसदी की गिरावट आई। निफ्टी मीडिया, निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी रियल्टी में गिरावट रही। दूसरी ओर, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी प्राइवेट बैंक के शेयर गिरे। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुले। सुबह सेंसेक्स 380.76 अंक करीब 0.52 फीसदी की बढ़त के साथ ही 74,299.52 के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

जिम्नी के दो नए वेरिएंट ऑलग्रिप प्लस और राइनो प्लस लांच

नई दिल्ली।

मलेशिया में सुजुकी ने अपनी लोकप्रिय ऑफ-रोड एसयूवी जिम्नी के दो नए वेरिएंट लांच किए है। इनके नाम है ऑलग्रिप प्लस और राइनो प्लस। सुजुकी जिम्नी ऑलग्रिप प्लस को स्टैंडर्ड जिम्नी के मुकाबले अधिक प्रीमियम और सुरक्षित बनाया गया है। ये दोनों नए वेरिएंट 3-डोर जिम्नी के साथ पेश किए गए हैं और इनमें स्टाइलिंग, फीचर्स तथा सेफ्टी के मामले में कई बेहतरीन अपग्रेड देखने को मिलते हैं। इसमें पावर-फोल्डिंग ओआरवीएम्स दिए गए हैं जिनमें हीटिंग फंक्शन भी मिलता है। एसयूवी में 9-इंच का बड़ा टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम लगाया गया है, जो एप्पल कारप्ले और एंड्रॉइड ऑटो वायरलेस कनेक्टिविटी को सपोर्ट करता है। सेफ्टी के लिए ऑलग्रिप प्लस में एमएमवेव रडार, मोनोक्युलर कैमरा और रिवर्स कैमरा जैसे फीचर्स के साथ ड्यूल सेंसर ब्रेक सपोर्ट-2, लेन डिपार्चर वार्निंग, लेन डिपार्चर प्रिवेंशन, वीविंग अलर्ट, ऑटोमैटिक हाई बीम, इमरजेंसी स्टॉप सिग्नल और साइड व कर्टेन एयरबैग्स जैसे एडवांस सेफ्टी फीचर्स शामिल हैं।

महंगाई से कर्मचारी नहीं कर पा रहे खर्च पूरे, अतिरिक्त कमाई का तलाश रहे जरिया

-सर्वे से खुलासा महंगे महानगरों को छोड़कर छोटे शहरों में बसने की सोच रहे

नई दिल्ली।

देश में लगातार बढ़ती महंगाई का असर अब लोगों के करियर और नौकरी से जुड़े फैसलों पर दिखने लगा है। रोजमर्रा के खर्च, मकान किराया, बच्चों की पढ़ाई और आने-जाने का खर्च बढ़ने से कर्मचारियों को लगने लगा है कि उनकी मौजूदा सैलरी अब पहले जैसी राहत नहीं दे रही। यही वजह है कि लोग अतिरिक्त कमाई के रास्ते तलाश रहे हैं, बेहतर वेतन वाली नौकरियों की ओर देख रहे हैं और यहां तक कि महंगे महानगरों को छोड़कर छोटे शहरों में बसने की सोच रहे हैं। एक सर्वे रिपोर्ट में यह तस्वीर सामने आई है। सर्वे में 1,200 से ज्यादा कर्मचारियों और 1,000 से ज्यादा कंपनियों की राय शामिल की गई। सर्वे के मुताबिक 68 फीसदी कर्मचारियों का कहना है कि उनकी मौजूदा आमदनी उनके जीवन-यापन के खर्चों को पूरा नहीं कर पा रही है। करीब 32 फीसदी लोगों ने कहा कि उनकी आय किसी तरह खर्च निकालने लायक है। वहीं 24 फीसदी कर्मचारियों ने माना कि उनके लिए आर्थिक स्थिति संभालना मुश्किल हो रहा है। 12 फीसदी लोगों ने तो खुद को गंभीर वित्तीय दबाव में बताया। दूसरी ओर केवल 13 फीसदी कर्मचारियों का कहना है कि उनकी आय आरामदायक जीवन जीने के लिए पर्याप्त है। महंगाई का असर लोगों की मानसिक स्थिति पर भी दिखाई दे रहा है। सर्वे में शामिल 41 फीसदी कर्मचारियों ने कहा कि वे आज से दो साल पहले की तुलना में ज्यादा वित्तीय तनाव महसूस कर रहे हैं। वहीं विशेषज्ञों का मानना है कि खाने-पीने की चीजों, मकान किराया, शिक्षा और स्वास्थ्य पर बढ़ते खर्च ने मध्यम वर्ग की बचत पर असर डाला है।

मेटा-रिलायंस ने तैयार किया जॉइंट वेंचर का एलान, अंबानी डेटा सेंटर लीज पर देंगे

855 करोड़ का होगा जॉइंट निवेश, रिलायंस की 70 तो मेटा 30 फीसदी हिस्सेदारी होगी

नई दिल्ली।

मार्क जकरबर्ग की मेटा प्लेटफॉर्म्स और मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज ने भारत और कुछ चुनिंदा अंतरराष्ट्रीय मार्केट में लामा-बेस्ड एंटरप्राइज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सॉल्यूशन डेवलप और अप्लाई करने के लिए एक जॉइंट वेंचर का एलान तैयार किया है। इसके लिए शुरुआती तौर पर करीब 855 करोड़ रुपए का जॉइंट निवेश किया जाएगा। इस जॉइंट वेंचर में रिलायंस इंडस्ट्रीज की 70 फीसदी और मेटा की 30 फीसदी हिस्सेदारी होगी।

यह जॉइंट वेंचर दो मुख्य प्रोडक्ट पेश करेगा। पहला एंटरप्राइज एआई प्लेटफॉर्म-एज-अ-सर्विस, जो कंपनियों को सेल्स, आईटी, कस्टमर सर्विस और फाइनेंस जैसे कामों के लिए जनरेटिव एआई मॉडल को कस्टमाइज, डिप्लॉय और मैनेज करने की सुविधा देगा। दूसरा, क्रॉस-फंक्शनल और सेक्टर-स्पेसिफिक जरूरतों के लिए पहले से तैयार एआई सॉल्यूशंस का एक सेट पेश किया जाएगा। डील में एक डेटा सेंटर का भी जिक्र किया गया है। रिलायंस 168 एमडब्ल्यू का डेटा सेंटर बनाएगी जिसे मेटा लीज पर लेगी और इसमें क्षमता बढ़ाने का विकल्प भी होगा। यह पार्टनरशिप मेटा के ओपन-सोर्स लामा मॉडल स्टैक और पूरे भारत में हजारों कंपनियों और स्मॉल-मिड बिजनेसों तक रिलायंस की पहुंच का फायदा उठाएगी। यह जॉइंट वेंचर क्लाउड, ऑन-प्रिमाइसेस और अपने खुद के इंफ्रास्ट्रक्चर पर सॉल्यूशन लागू कर सकेगा।

रिपोर्ट के मुताबिक इस समझौते के तहत आरआईएल डेटा सेंटर के पूरे लाइफसाइकल के दौरान एंड टू एंड सर्विसेज देगी, जिसमें डिजाइन और कंस्ट्रक्शन से लेकर यूटिलिटीज, रिन्यूएबल पावर सप्लाई, नेटवर्क कनेक्टिविटी और पूरी तरह से मैनेज की जाने वाली ऑपरेशनल सेवाओं का मैनेजमेंट शामिल है। इससे आरआईएल भारत में हाइपरस्केल एआई इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए सिंगल-विंडो सॉल्यूशन प्रोवाइडर बन जाएगी। गुजरात में स्ट्रैटजिक लोकेशन होने के कारण बड़े पैमाने पर ये डेटा सेंटर कई बड़े फायदे लेकर आएगा, जैसे कि डिलीवरी कैपेबिलिटी, रिन्यूएबल एनर्जी, पानी की उपलब्धता, भारत के पश्चिमी सबमरीन केबल लैंडिंग स्टेशनों के पास होना और जियो का बड़ा फाइबर नेटवर्क।

यह डेटा सेंटर रिन्यूएबल एनर्जी से चलेगा और खारे समुद्री पानी को मीठा बनाए जाने वाले पानी से

ठंडा किया जाएगा, जो आरआईएल और मेटा दोनों की सस्टेनेबिलिटी के प्रति प्रतिबद्धता को दिखाता है। रिलायंस इंडस्ट्रीज़ के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर मुकेश अंबानी ने कहा कि यह पार्टनरशिप हर भारतीय ऑर्गनाइजेशन के लिए एंटरप्राइज-ग्रेड एआई को सुलभ बनाएगी। वहीं मेटा के सीईओ मार्क जकरबर्ग ने कहा कि यह जॉइंट वेंचर लामा मॉडल को असल दुनिया में इस्तेमाल के लिए लाएगा और एंटरप्राइज सेक्टर में मेटा की पहुंच बढ़ाएगा। इस खबर के बीच रिलायंस का शेयर मजबूत हुआ।

टाटा ग्रुप की दो बड़ी कंपनियां ब्रॉन्ड बाजार में उतरने की तैयारी में

बॉन्ड जारी कर करीब 4,000 करोड़ रुपए जुटाने की बना रही योजना

नई दिल्ली।

टाटा ग्रुप की दो बड़ी इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनियां एक बार फिर बॉन्ड बाजार का रुख कर सकती हैं। टाटा स्टील और टाटा प्रोजेक्ट्स 15 महीने से ज्यादा समय के बाद कर्ज जुटाने के लिए बॉन्ड जारी करने की तैयारी में हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक टाटा स्टील पांच साल की अवधि वाले बॉन्ड जारी करके करीब 3,000 करोड़ जुटाने की योजना बना रही हैं। कंपनी के कुछ पुराने बॉन्ड अक्टूबर में मैच्योर होने वाले हैं, ऐसे में नए फंड जुटाने की जरूरत पड़ सकती है।

वहीं टाटा ग्रुप की रियल एस्टेट और इंफास्ट्रक्चर कंपनी टाटा प्रोजेक्ट्स 500 करोड़ रुपए से 1,000 करोड़ के बीच रकम जुटाने पर विचार कर रही है। इसके लिए कंपनी तीन और पांच साल की अवधि वाले बॉन्ड जारी कर सकती है। मर्चेंट बैंकर के मुताबिक दोनों कंपनियों ने बाजार से पैसा जुटाने की तैयारी शुरू कर दी है। वे अभी कुछ समय और इंतजार कर रही हैं ताकि बॉन्ड पर मिलने वाली ब्याज दरें और कम हो जाएं। इससे उन्हें सस्ता कर्ज मिल सकेगा। हाल ही में आरबीआई ने अपनी नीतिगत ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। इसके बाद कॉरपोरेट बॉन्ड बाजार में कुछ राहत देखने को मिली है।

रिपोर्ट के मुताबिक टाटा प्रोजेक्ट्स ने इस मामले पर कोई

प्रतिक्रिया नहीं दी है। वहीं टाटा स्टील ने कहा है कि उसके पास बॉन्ड जारी करने की कोई तत्काल योजना नहीं है। टाटा स्टील ने फरवरी 2025 में आखिरी बार बॉन्ड बाजार से 3,000 करोड़ जुटाए थे। उस समय कंपनी ने पांच साल के बॉन्ड 7.65 फीसदी ब्याज दर पर जारी किए थे। दूसरी तरफ, टाटा प्रोजेक्ट्स ने भी फरवरी 2025 में 500 करोड़ रुपए के बॉन्ड जारी किए थे। इन बॉन्ड की अवधि छह साल थी और इन पर 8.60 फीसदी ब्याज दर दी गई थी। अगर टाटा ग्रुप की ये कंपनियां फिर से बॉन्ड बाजार में उतरती हैं तो यह इस बात का संकेत होगा कि बड़ी कंपनियां अब ब्याज दरों में राहत का फायदा उठाकर सस्ते कर्ज के जरिए अपने कारोबार के लिए पूंजी जुटाने की तैयारी कर रही हैं।

सोने, चांदी में नरमी

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गयी। आज इन दोनो कीमती धातुओं के वायदा दम में गिरावट आई। खुदेखने को मिल रही है। दोनों के वायदा भाव गिरावट के साथ ले। आज सुबह सोने के वायदा भाव 1,50,200 रुपये, जबकि चांदी के भाव 2,35,250 रुपये के करीब थे। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव में कमी रही। सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त अनुबंध आज 2,517 रुपये टूटकर 1,49,926 रुपये के भाव पर खुला। वहीं इसका पिछला बंद भाव 1,52,443 रुपये था। इसने 1,50,290 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,49,888 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। सोने के वायदा भाव इस साल 1,80,779 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत कमजोर रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई अनुबंध आज 4,519 रुपये की गिरावट के साथ ही 2,34,009 रुपये पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 2,38,528 रुपये था। यह अनुबंध 3,272 रुपये की गिरावट के साथ 2,35,256 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 2,35,657 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 2,34,000 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया।

बीएमडब्ल्यू कार अब छोटे शहरों में भी आएगी नजर, कंपनी दे रही मिनी ब्रांड पर ध्यान

मिनी ने 2025 में 730 वाहन बेचे, पिछले साल के मुकाबले 3 फीसदी ज्यादा

नई दिल्ली।

लग्जरी कार निर्माता बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया मिनी ब्रांड पर ज्यादा ध्यान दे रही है। कंपनी का इरादा स्थानीयकरण और मझोले बाजारों में विस्तार के जरिए 2026 के आखिर तक अपनी बिक्री को दोगुना करना है। मिनी ने 2025 में 730 वाहन बेचे, जो पिछले साल के मुकाबले 3 फीसदी ज्यादा है। कंपनी मिनी कंट्रीमैन के पेट्रोल-डीजल इंजन वाले वर्जन पर दांव लगा रही है, जिसे बीएमडब्ल्यू ग्रुप के चेन्नई संयंत्र में बनाया जाएगा। यह मॉडल कंपनी के भारत में मौजूद पोर्टफोलियो में स्थानीय स्तर पर बनने वाली 11वीं गाड़ी होगी।

रिपोर्ट के मुताबिक पिछले दो साल में भारत में मिनी की नई पेशकशों में मिनी कूपर एस हैच और मिनी कंट्रीमैन इलेक्ट्रिक शामिल हैं, लेकिन हाल में ब्रांड ने मिनी कन्वर्टिबल, मिनी कंट्रीमैन जेसीडब्ल्यू ऑल4 और मिनी कंट्रीमैन एसई ऑल4 के साथ अपने पोर्टफोलियो का विस्तार किया है। बीएमडब्ल्यू इस साल 10 मिनी मॉडल बाजार में उतारने की योजना बना रही है। इनमें स्थानीय स्तर पर बनी नई पीढ़ी की मिनी कंट्रीमैन सी और ब्रांड की लाइफस्टाइल और मोटरस्पोर्ट विरासत

से प्रेरित नौ खास लिमिटेड-एडिशन मॉडल शामिल हैं। इनमें से तीन एडिशन- मिनी कूपर एस जीपी इंसपायर्ड, मिनी कन्वर्टिबल जॉन कूपर वर्क्स पैक और मिनी कपूर एस विक्टरी एडिशन पहले ही पेश हो चुके हैं और बिक भी चुके हैं। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्याधिकारी हरदीप सिंह बराड़ ने कहा कि साल के बीच में स्थानीय स्तर पर बनी मिनी कंट्रीमैन की पेशकश के साथ हम बिक्री संख्या बढ़ने को लेकर बड़ी उम्मीदें लगा रहे हैं।

भीषण गर्मी से कपड़ा उद्योग प्रभावित, कारखानों में उत्पादन क्षमता 10 फीसदी घटी

रिपोर्ट में खुलासा, हर साल 230 लाख गैर-घातक चोटें और 19,000 होती हैं मौतें

नई दिल्ली।

भीषण गर्मी और उमस श्रमिकों के स्वास्थ्य को प्रभावित कर रही हैं और प्राइमार्क, डी-मार्ट, टारगेट, मार्क्स ऐंड स्पेंसर, टेस्को, टॉमी हिलफिगर और नेक्स्ट जैसे ब्रांडों को परिधान की आपूर्ति करने वाले कपड़ा कारखानों में उत्पादकता को 10 फीसदी तक बाधित कर रही हैं। यह खुलासा न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय की रिपोर्ट से हुआ। यह रिपोर्ट तमिलनाडु, हरियाणा, ओडिशा, महाराष्ट्र और कर्नाटक में स्थित 10 कपड़ा कारखानों का दौरा करने के बाद तैयार की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक ये निष्कर्ष अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) के उस वक्तव्य के बाद सामने आए हैं जिसमें कहा गया है कि वैश्विक कामकाजी आबादी का 70 फीसदी यानी 24.1 अरब कामगारों के हर साल अत्यधिक गर्मी से पीड़ित होने की आशंका है। इसके कारण हर साल 230 लाख गैर-घातक चोटें और 19,000 मौतें होती हैं। भारत विश्व का छठा सबसे बड़ा वस्त्र निर्यातक है। वह बढ़ते तापमान के आर्थिक प्रभावों को पहले ही महसूस कर रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक गर्मी से संबंधित खर्चों की वजह से कामगारों को प्रति माह करीब 500-1000 रुपए का नुकसान हो रहा है, जो उनकी औसत मासिक मजदूरी का एक बड़ा हिस्सा है। आपूर्तिकर्ताओं ने कहा कि यदि ब्रांड तकनीकी मदद प्रदान करें या लागत साझा करें, तो वे गर्मी से बचाव के उपायों में ज्यादा निवेश करने को तैयार हैं। सर्वेक्षण में शामिल 94.1 फीसदी परिधान और जूते के ब्रांडों ने कहा कि अत्यधिक गर्मी उत्पादन के लिए मध्यम या भारी जोखिम पैदा करती है, लेकिन केवल 35.3 फीसदी ही आपूर्तिकर्ताओं से उत्पादन क्षेत्रों के अंदर तापमान या उमस मापने की अपेक्षा करते हैं, और कोई भी ब्रांड इस तरह का डेटा लगातार एकत्र नहीं करता है।

इसमें कहा गया है कि नौ कारखानों के प्रबंधकों ने बताया कि गर्मियों के चरम महीनों में उत्पादकता में करीब 3 फीसदी से 10 फीसदी की कमी और अनुपस्थिति में करीब 2 फीसदी से 5 फीसदी की वृद्धि हुई है। रिपोर्ट में यह भी सुझाव दिया गया है कि ब्रांडों को इन क्षेत्रों में ज्यादा निवेश करने पर विचार करना चाहिए।

रिपोर्ट में वैश्विक परिधान ब्रांडों और खरीदारों से स्वैच्छिक दिशा-निर्देशों से आगे बढ़कर अत्यधिक गर्मी को कार्यस्थल सुरक्षा और आपूर्ति श्रृंखला के लिए एक मापने योग्य जोखिम के रूप में मानने का आह्वान किया है।

भारत में आ सकता है अरबों डॉलर का निवेश, विदेशी पूंजी का फ्लो बढ़ेगा

भुगतान संतुलन की स्थिति हो सकती है मजबूत, रुपए को मिल सकता है सहारा

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक और केंद्र सरकार के हालिया कदमों का असर आने वाले महीनों में विदेशी निवेश पर नजर आ सकता है। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि इन फैसलों से देश में विदेशी पूंजी का फ्लो बढ़ेगा, जिससे भारत के भुगतान संतुलन की स्थिति मजबूत हो सकती है और रुपए को भी सहारा मिल सकता है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हाल ही में आरबीआई ने विदेशी मुद्रा गैर-निवासी जमा को बढ़ावा देने के लिए कुछ राहतें दी हैं। इसके तहत इन जमाओं पर हेजिंग लागत का बोझ खुद उठाने का फैसला किया है। साथ ही बैंकों को एनआरआई ग्राहकों को आकर्षक ब्याज दरें देने की सुविधा भी दी गई है। इसके अलावा सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों को विदेशी बाजारों से कर्ज जुटाने के लिए भी प्रोत्साहित किया गया है। सरकार ने विदेशी डेट निवेशकों के लिए बड़ा कदम उठाते हुए विदहोल्डिंग टैक्स को 20 फीसदी से घटाकर शून्य कर दिया है। इससे विदेशी निवेशकों के लिए भारतीय डेट बाजार में निवेश करना पहले की तुलना में ज्यादा आकर्षक हो सकता है। ब्रोकरेज हाउस मोतीलाल ओसवाल का अनुमान है कि आरबीआई और सरकार के इन कदमों से वित्त 2027 में भारत में 75 से 80 अरब डॉलर तक का अतिरिक्त विदेशी निवेश आ सकता है। अगर भारत को किसी वैश्विक बॉन्ड इंडेक्स में शामिल किया है तो इसके अलावा 15 से 20 अरब डॉलर तक का अतिरिक्त निवेश भी आ सकता है।

रिपोर्ट के मुताबिक अगर वित्त वर्ष 2027 में कच्चे तेल की औसत कीमत 95 डॉलर प्रति बैरल रहती है तो भारत का चालू खाता घाटा करीब 87 अरब डॉलर या जीडीपी के 2.1 फीसदी के बराबर रह सकता है। हालांकि पूंजी खाते में करीब 80 अरब डॉलर का अधिशेष आने का अनुमान है, जिससे चालू खाते के घाटे की भरपाई काफी हद तक हो सकती है। रिपोर्ट में बताया कि अगर ईरान से जुड़ा मौजूदा तनाव धीरे-धीरे कम हो जाता है तो अगले 3 से 4 महीनों में रुपए में मजबूती आ सकती है। हालांकि अगले एक साल में भारत के चालू खाते और राजकोषीय घाटे को लेकर चिंताएं फिर उभर सकती हैं। इसके अलावा अगर अमेरिकी डॉलर मजबूत रहता है तो रुपए पर दबाव बढ़ सकता है। ऐसी स्थिति में अगले 12 महीनों में रुपया 96 प्रति डॉलर के स्तर तक कमजोर हो सकता है।

एआई मॉडल से पैदा हुए जोखिमों का जून अंत तक आकलन करें बैंकः आरबीआई

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकों और अन्य विनियमित संस्थाओं से कहा है कि वे जून के आखिर तक क्लॉड मिथोस जैसे फ्रंटियर एआई मॉडल से पैदा हुए जोखिमों का आकलन बोर्ड की मंजूरी के साथ करें। साथ ही आरबीआई ने इससे निपटने के लिए समयबद्ध कार्ययोजना तैयार करने का भी निर्देश दिया है। मामले से अवगत लोगों के मुताबिक इसमें संस्थाओं द्वारा एक व्यवस्थित साइबर सुरक्षा ढांचा स्थापित करना, एआई आधारित विरोधात्मक परीक्षण करना और मौजूदा कमजोरियों की पहचान करना शामिल है।

नियामक ने एआई से संबंधित जोखिमों पर ध्यान ऐसे समय में दिया है जब फ्रंटियर एआई मॉडल ने जीरो-डे यानी तत्काल की कमजोरियों की पहचान करने की क्षमताएं प्रदर्शित की हैं। इससे उद्योग में चिंताएं पैदा हुई हैं। फिलहाल वैश्विक स्तर पर मिथोस तक पहुंच चुनिंदा कंपनियों तक ही सीमित है। ऐसे में भारतीय वित्तीय क्षेत्र की संस्थाओं से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने संचालन में संभावित उपयोग मामलों के लिए पहले से उपलब्ध अन्य उन्नत एआई मॉडल का आकलन करें।ईवाई इंडिया के पार्टनर कार्तिक शिंदे ने कहा कि वित्तीय संस्थान किसी भी फ्रंटियर एआई मॉडल का इस्तेमाल कर अपने बाहरी इंटरनेट से जुड़े बुनियादी ढांचे का आकलन करते हुए इसकी शुरुआत कर सकते हैं।

रुतुराज ने बनाया रिकार्ड, लिस्ट ए क्रिकेट में नंबर वन औसत वाले बल्लेबाज बने

मुम्बई (एजेंसी)। युवा बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ ने भारत ए की ओर से श्रीलंका ए के खिलाफ पहले ही मैच में शतकीय पारी खेलकर एक नया रिकार्ड भी अपने नाम किया है। इस शतकीय पारी के साथ ही रुतुराज लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे अधिक औसत वाले विश्वक के नंबर वन बल्लेबाज बन गए हैं। यहां तक कि सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली भी इस मामले में उनसे कहीं पीछें हैं।

गौरतलब है कि लिस्ट ए प्रारुप उन सभी घरेलू 40 से 60 ओवर के मैचों, अंतरराष्ट्रीय एक दिवसीय मुकाबलों और अंतरराष्ट्रीय ए टीमों के बीच खेले गए मैचों की जानकारी देत है। इस प्रारुप में रुतुराज गायकवाड़ छाये हुए हैं। 100 लिस्ट ए मैचों की 96 पारियों में उनके नाम 59.32 की औसत से कुल 5161 रन हैं। इस दौरान उनके नाम 20 शतक और 19 अर्धशतक हैं, जिसमें उनका सबसे अधिक स्कोर 220 रन नाबाद रहा है। यह आंकड़े दिखाते हैं कि वह कितने निरंतर और प्रभावी बल्लेबाज हैं।

इससे वह विराट से भी आगे निकल गये हैं। विराट का लिस्ट ए क्रिकेट में औसत 57.91 है। विराट ने अपने करियर (2006 से अब तक) में 347 लिस्ट ए मैच खेलते हुए 334 पारियों में 16447 रन बनाए हैं, जिसमें 59 शतक और 86 अर्धशतक शामिल हैं। आंकड़ों में भले ही कोहली के रन और शतक कहीं अधिक हों पर औसत की आती है तो गायकवाड़ ने उन्हें पछाड़ दिया है। वहीं तेंदुलकर, जिनके नाम कई रिकॉर्ड हैं, वे इस विशिष्ट औसत सूची के शीर्ष 5 में भी शामिल नहीं हैं, जिससे पता चलता है कि गायकवाड़ की उपलब्धि की बड़ी है। दुनिया के अन्य दिग्गज बल्लेबाज भी इस सूची में उनसे काफी पीछे हैं।

रुतुराज के बाद दूसरे स्थान पर विराट कोहली हैं, जबकि तीसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज माइकल बेवन का नाम आता है। बेवन ने 1989 से 2006 के बीच 427 मैचों की 385 पारियों में 57.86 की शानदार औसत से 15103 रन बनाए थे, जिसमें 13 शतक और 116 अर्धशतक शामिल थे। चौथे पायदान पर इंग्लैंड के सैम हेन हैं, जिन्होंने 2013 से 2023 के बीच कुल 64 मैचों की 62 पारियों में बल्लेबाजी करते हुए 57.76 की औसत से 3004 रन बनाए और 10 शतक जड़े। इस सूची में पांचवें भारतीय नाम चेतेश्वर पुजारा का है, जिनकी 130 मैचों की 127 पारियों में 57.01 की औसत से 5759 रन हैं, जिसमें 16 शतक और 34 अर्धशतक शामिल हैं।

फीफा विश्वकप से पहले हुए मुकाबले में मेसी के गोल से अर्जेन्टीना ने आइसलैंड को हराया

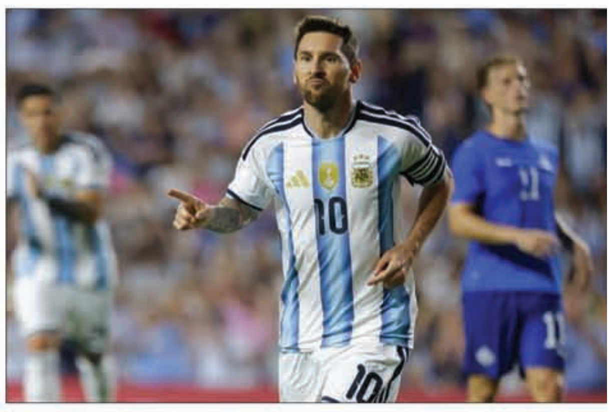

अलबामा (एजेंसी)। स्टार खिलाड़ी लियोनल मेसी के शानदार प्रदर्शन से अर्जेन्टीना ने फीफा विश्वकप से पहले अपने दोस्तान मैच में आइसलैंड को 3-0 से हरा दिया। इस जीत से टीम का उत्साह बढ़ा है। इससे मेसी की फिटनेस पर उठे सवाल भी समाप्त हो गये। मांसपेशियों की चोट से उबरने के बाद मैदान पर लौट रहे मेसी ने मुकाबले की शुरुआत स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में की, लेकिन जब वह मैदान पर उतरे तो उन्होंने अपनी क्षमता का भरपूर प्रदर्शन किया।

मेसी 70 वें मिनट में मैदान पर उतरे, जिससे स्टेडियम में मौजूद प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह भर गया। उनके मैदान पर आने के केवल दो मिनट बाद ही, 72वें मिनट में लोटारो मार्टिनेज के खिलाफ फाउल के लिए मिली पेनल्टी को उन्होंने गोल में बदल दिया। यह गोल उनकी शानदार फिटनेस और खेल कौशल का प्रमाण था, और इसने यह संकेत भी दिया कि वह एक बार फिर विश्व कप के बड़े मंच पर चमकने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

अर्जेन्टीना की टीम आइसलैंड के खिलाफ इस मुकाबले में पूरी तरह से हावी रही। मेसी के आने से पहले ही टीम ने दो अन्य गोल दागकर अपनी बढ़त मजबूत कर ली थी, जिससे खिलाड़ियों का आत्मविश्वास और बढ़ा। पूरी टीम ने बेहतरीन तालमेल और आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया, जिससे विपक्षी टीम को वापसी का कोई मौका नहीं मिला। इस जीत ने टीम को विश्व कप से पहले एक मजबूत मंच प्रदान किया है।

भारत के पूर्व गेंदबाजी कोच ने जसप्रीत बुमराह की जमकर तारीफ की, कहा- इसीलिए वह नंबर वन हैं

लंदन (एजेंसी)। भारत के पूर्व गेंदबाजी कोच पारस म्हाम्ब्रे ने कहा कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को एक खिलाड़ी के तौर पर उनके विकास का श्रेय दिया जाना चाहिए। उन्होंने 2013 में IPL में आने के बाद से अब तक जिस तरह से खुद को बेहतर बनाया है, वह काबिले-तारीफ है। दुनिया में बहुत कम ऐसे गेंदबाज हैं जिन्होंने तीनों फॉर्मेट में इतना बड़ा असर डाला है। 2016 में अपने इंटरनेशनल डेब्यू के बाद से बुमराह तेजी से भारत के सबसे बेहतरीन तेज गेंदबाजों में से एक बन गए हैं। बारबाडोस में भारत की 2024 मेन्स ॠ20 वर्ल्ड कप जीत में बुमराह ने 15 विकेट लिए और 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' चुने गए। म्हाम्ब्रे ने कहा, 'एक खिलाड़ी के तौर पर बुमराह ने जिस तरह से खुद को बेहतर बनाया है, उसके लिए उन्हें श्रेय दिया जाना चाहिए। वह बहुत फोकस्ड हैं। उन्हें अपने खेल की अच्छी समझ है। वह हमेशा बेहतर करने की कोशिश करते रहते हैं। इसीलिए वह नंबर वन हैं। वह तीनों फॉर्मेट में दुनिया के सबसे बेहतरीन खिलाड़ी हैं। खिलाड़ियों को सिर्फ खेले गए मैचों की संख्या से नहीं आंकना चाहिए, बल्कि यह भी देखना चाहिए कि उन्होंने तीनों फॉर्मेट में कैसा असर डाला है।' उन्होंने कहा, 'दुनिया में बहुत कम गेंदबाज ऐसे हैं जो तीनों फॉर्मेट में इतना असर डालते हैं। टी20, वनडे और टेस्ट में उनके आंकड़े उनकी मेहनत और लगन को दिखाते हैं। वह उन चुनिंदा खिलाड़ियों में से हैं जिन्हें टेस्ट क्रिकेट खेलना पसंद है। वह आसानी से हार नहीं मानते और गेंद को छोड़ते नहीं हैं।' पूर्व कोच ने बुमराह के लीडरशिप रोल को पसंद करने पर भी खुशी जताई जिन्होंने अब तक तीन टेस्ट मैचों में कप्तानी की है। म्हाम्ब्रे ने कहा, 'उन्हें टीम की कप्तानी करना भी पसंद आने लगा है और मैं इस बात से बहुत खुश हूं। वह सिर्फ अपने खेल पर ही ध्यान नहीं देते, बल्कि सबको साथ लेकर चलते हैं। वह समझते हैं कि उनकी भूमिका दूसरों को तैयार करने और उनकी मदद करने की भी है और उन्होंने इसे बहुत अच्छे से निभाया है। यह सिर्फ देश के लिए मैच जीतने की बात नहीं है। यह हर किसी पर अपनी छाप छोड़ने की बात है।'

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग: हैरी ब्रूक नंबर वन, शुभमन गिल टॉप-10 में शामिल

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की बुधवार को जारी ताजा टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में इंग्लैंड के हैरी ब्रूक नंबर एक स्थान पर पहुंच गये हैं। हैरी ने अपने ही साथ ही खिलाड़ी और पूर्व कप्तान जो रूट को पीछे छोड़ा है। रुट अब दूसरे नंबर पर खिसक गये हैं। वहीं भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल दो स्थान के लाभ के साथ ही आठवें स्थान पर पहुँच गए हैं, जिससे उन्होंने शीर्ष 10 में अपनी जगह और मजबूत की है।

ब्रूक ने यह शानदार उपलब्धि न्यूजीलैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में खेले गए आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप मैच में हासिल की, जहाँ इंग्लैंड ने 115 रनों से शानदार जीत दर्ज की थी। इस मुकाबले की पहली पारी में ब्रूक ने महत्वपूर्ण 56 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली थी। वहीं रूट को लॉर्ड्स टेस्ट खराब प्रदर्शन का नुकसान हुआ है। वह इस मैच में एक और आठ रन ही बना सके। इस निराशाजनक प्रदर्शन के परिणामस्वरूप, रूट दो स्थान खिसककर पहले से सीधे तीसरे स्थान पर आ गए हैं।

दूसरी ओर भारतीय टीम के शुभमन ने रैंकिंग में अच्छी छलांग लगाई है। अफगानिस्तान के खिलाफ हाल ही में खेले गए एकमात्र टेस्ट मैच में शानदार शतक जड़ने के बाद शुभमन दो स्थान ऊपर चढ़कर आठवें स्थान पर आ गए हैं।

रैंकिंग में अन्य महत्वपूर्ण बदलावों में ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ चौथे स्थान पर बने हुए हैं। श्रीलंका के कामिंदु मेंडिस एक स्थान के फायदे के साथ पांचवें नंबर पर आ गए हैं, जबकि न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान केन विलियमसन को एक स्थान का नुकसान हुआ है और वह छठे पायदान पर खिसक गए हैं। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेंबा बावुमा सातवें स्थान पर कायम हैं। भारत के उभरते सितारे यशस्वी जायसवाल को एक स्थान का नुकसान हुआ है और वह नौवें स्थान पर हैं, वहीं श्रीलंका के अनुभवी बल्लेबाज दिनेश चांदीमल एक पायदान ऊपर चढ़कर दसवें स्थान पर पहुँच गए हैं।

फीफा विश्व कप 2026 में किसी भी भूमिका को निभाने तैयार हैं इबानेज

सेन डियागो ।ब्राजील फुटबॉल टीम में शामिल डिफेंडर रोजर इबानेज ने कहा वह फीफा विश्व कप 2026 में राइट-बैक सहित किसी भी जगह पर खेलने के लिए भी तैयार हैं ।वेस्ली फ्रैंका के चोटिल होने के बाद टीम में शामिल इबानेज आम तौर पर सेंटर-बैक के तौर पर खेलते हैं पर अब टीम की जरुरतों के अनुसार दूसरी जिम्मेदारी भी निभाने को तैयार हैं ।इबानेज के अनुसार देश की ओर से खेलना सबसे बड़ी बात है ।इसलिए वह इस टूर्नामेंट को लेकर बेहद उत्साहित हैं ।उन्होंने कहा कि वह कि टीम की जरुरत को सबसे आगे मानते हैं और उनको जो भी भूमिका दी जाएगी उसे निभा सकते हैं ।वहीं अभ्यास मैच में चोटिल होने के कारण टूर्नामेंट से बाहर हुए वेस्ली के बाद टीम में राइट-बैक के तौर पर किसे उतरा जाये ये सबसे बड़ा सवाल बना है। अनुभवी और भरोसेमंद खिलाड़ी डैनिलो को इस भूमिका के लिए सबसे उपयुक्त दावेदार माना जा रहा है पर अब इबानेज भी एक प्रभावी विकल्प तौर पर सामने आए हैं, जिन पर चयनकर्ता गंभीरता से विचार कर सकते हैं ।इस मामले को लेकर इबानेज ने कहा, मेरी पोजीशन तय करना कोच का काम है ।मैं सिर्फ इतना जानता हूं कि जहां भी टीम को मेरी जरूरत होगी, मैं वहां खेलने के लिए पूरी तरह से तैयार हूं ।अपने देश का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए सबसे बड़ी बात और सम्मान का विषय है ।' यह बयान टीम के प्रति उनके गहरे समर्पण को दिखाता है ।सऊदी अरब के क्लब अल अहली से जुड़ें इबानेज ने टीम के वरिष्ठ खिलाड़ी डैनिलो की भी जमकर तारीफ की ।

धोनी को इस कारण नहीं मिल पाया टी20 में सर्वश्रेश्ठ खिलाड़ी अवार्ड

मुम्बई ।भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के नाम कई रिकार्ड है ।धोनी की कप्तानी में ही भारतीय टीम ने पहला टी20 खिताब जीत था। उनके नाम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 17,000 से अधिक रन है पर प्रशंसकों को ये जानकर हैरानी होगी कि इसके बाद भी धोनी को अपने करियर के दौरान टी20 प्रारुप में एक बार भी मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड नहीं मिला ।इसका कारण ये रहा कि धोनी ने हमेशा ही टीम की जीत को निजी उपलब्धियों से अधिक महत्व दिया और उसी अनुसार फैसले लिए ।साल 2004 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण के बाद धोनी ने पीछे मुड़कर नहीं देखा ओर वह सबसे अच्छे विकेटकीपर बल्लेबाज और मैच फिनिशर के तौर पर उभरे ।उन्होंने भारतीय टीम की ओर से कुल 538 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 44.96 के बेहतरीन औसत से 17,266 रन बनाए ।इसमें 16 शतक और 108 अर्धशतक शामिल हैं ।98 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के अपने करियर में धोनी ने 37.60 की औसत और 126.13 के स्ट्राइक रेट से 1,617 रन बनाए ।इस दौरान कई बार उन्होंने अपनी बल्लेबाजी से भारतीय टीम को कठिन हालातों से निकाकर जीत दिलायी हालांकि इसके बाद भी उन्हें एक बार भी सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड नहीं मिला ।इसके पीछे का सबसे बड़ा कारण ये है कि टी20 क्रिकेट में धोनी अधिकतर नंबर 5, 6 या 7 पर बल्लेबाजी करने आते थे, जहां उन्हें आमतौर पर 10 से 15 गेंदें ही खेलने को मिलती थीं ।ऐसी स्थिति में भले ही धोनी ने कई बार छोटी, तेज और मैच विजेता पारियां खेलीं है पर सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवॉर्ड आमतौर पर ऊपरी क्रम के बल्लेबाजों या गेंदबाजों के पास चला जाता है। वहीं सबसे बड़ा कारण ये रहा है कि धोनी ने हमेशा ही अपनी व्यक्तिगत उपलब्धियों की जगह पर टीम की जीत को महत्व दिया है। इसी कारण कई अवसरों पर उन्होंने अपनी जगह युवा बल्लेबाजों को खेलने के लिए ऊपरी क्रम में भेजा है ।इससे धोनी ने साबित किया है कि एक कप्तान के तौर पर उनके लिए टीम को खिताबी जीत दिलाना व्यक्तिगत उपलब्धियों से अधिक आगे है 1 अवॉर्ड भले ही उन्हें नहीं मिला पर एकदिवसीय और टेस्ट प्रारुप में उन्हें कई बार सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार मिला है। एकदिवीसय क्रिकेट में धोनी को रिकॉर्ड 21 बार जबकि टेस्ट क्रिकेट में दो बार सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड मिला है।

आईसीसी ने लॉड्र्स और गद्दाफी स्टेडियम की पिच को असंतोषजनक बताया

-नकारात्मक अंक भी दिये

दुबई (एजेंसी)। अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने लंदन के प्रतिष्ठित लॉड्र्स क्रिकेट मैदान के अलावा लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम की पिच को असंतोषजनक करार दिया है। इसके साथ ही इन दोनों को नकारात्मक अंक भी दिये हैं। आईसीसी ने इन स्टेडियमों की पिच और आउटफील्ड को मॉनिटरिंग प्रक्रिया के तहत एक-एक नकारात्मक अंक भी दिया है। आईसीसी ने ये कदम मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट (लॉड्र्स) और ग्रीम ला ब्रूय (गद्दाफी स्टेडियम) से मिली रिपोर्टों के बाद उठाया है। इन रिपोर्टों में मैच अधिकारियों और दोनों टीमों के कप्तानों से मिली प्रतिक्रिया के आधार पर पिच की गुणवत्ता को निचले दर्जे का बताया है। लॉड्र्स में इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच खेले गए पहले टेस्ट मैच के अलाव लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के बीच हुए तीसरे एकदिवसीय मैच की पिचों को इस्तेमाल की गई पिचें बताया गया है।

लॉड्र्स की पिच पर गेंदबाजों को अत्यधिक सहायता मिली। यहां गेंद में असामान्य उछाल और जरुरत से ज्यादा सीम मूवमेंट दिख। मैच रेफरी पाइक्रॉफ्ट ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि कई गेंदें अपेक्षा से अधिक नीची रह रही थीं, जिससे बल्लेबाजों के लिए परेशानी खड़ी हो गयी। उन्होंने कहा, पूरे टेस्ट में बहुत ज्यादा सीम मूवमेंट था और कई अवसरों पर गेंद बहुत नीचे भी रही। पूरी दिन पिच में बदलाव दिखे। पहले दिन जहां 16 विकेट वहीं दूसरे दिन 17 विकेट गिरे। इससे गेंद और बल्ले के बीच का संतुलन खराब हुआ।। इस मैच के शुरुआती दो दिनों में ही 33 विकेट गिर गए थे, जिनमें से अधिकांश विकेट बोल्ड या एलबीडब्ल्यू के रूप में गिरे थे, जो पिच के असंतुलित होने का स्पष्ट संकेत था।

वहीं इसी प्रकार लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम की पिच को भी एकदिवसीय मैच के लिए सही नहीं पाया गया। मैच रेफरी ग्रीम ला ब्रूय ने अपनी रिपोर्ट में कह कि पिच बहुत धीमी और नीची थी, जिससे बल्लेबाजों के लिए रन बनाना बेहद कठिन हो गया था। उन्होंने कहा, पिच धीमी और नीची थी और रन बनाना बहुत मुश्किल था। इस प्रकार यह एकदिवसीय अंतराष्ट्रीय मैच के लिए सही नहीं थी। इन मुकाबलों में आकर्षण नहीं था जिससे दर्शक भी निराशा हुए। अब यदि यदि इन स्टेडियमों की पिचों को अगले पांच साल के अंदर और नकारात्मक अंक मिलते हैं तो ये उन पर अंतराष्ट्रीय मैचों की मेजबानी भी नहीं कर पायेंगी।

इंग्लैंड वर्ल्ड कप जीतने का बड़ा दावेदार नहीं, कोच ने दिया चौंकाने वाला बयान

न्यूयॉर्क ।इंग्लैंड के कोच थॉमस ट्यूशेल ने 2026 FIFA वर्ल्ड कप के लिए अपनी टीम को दावेदारों में से एक मानने की बात को कम करके आंका ।उन्होंने कहा कि 'थ्री लायंस' (इंग्लैंड टीम) को छह दशकों से कोई खिताब न जीतने के बाद सबसे बड़े मंच पर खुद को साबित करना होगा। रिपोर्ट के अनुसार ट्यूशेल बुधवार को ऑरलैंडो में कोस्टा रिका के खिलाफ इंग्लैंड के आखिरी वार्म-अप मैच से पहले प्रेस को संबोधित कर रहे थे। यह मैच शनिवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ 1-0 की मुश्किल जीत के बाद हो रहा है ।जब ट्यूशेल से पूछा गया कि क्या इंग्लैंड टूर्नामेंट जीतने वाली टीमों में शामिल है, तो उन्होंने जवाब दिया, 'कितने दावेदार हैं? हम सबसे बड़े दावेदार नहीं हैं ।हम ऐसा हो भी नहीं सकते क्योंकि हमने इतने सालों से इसे नहीं जीता है ।टूर्नामेंट में ऐसी टीमें हैं जो पहले जीत चुकी हैं और ज्यादा सफल रही हैं ।' कोच ने कहा, 'हम मुकाबला करते हैं, बड़े सपने देखते हैं और जानते हैं कि इसके लिए क्या चाहिए ।जिम्मेदारी कोशिश करने पर है और हमारा ध्यान उसी पर है ।हम खुद को कॉम्पिटिटर और चैलेंजर के तौर पर देखते हैं ।हम आखिर तक जाना चाहते हैं, लेकिन मुझे नहीं लगता कि हम बहुत बड़े दावेदार हैं ।' ट्यूशेल ने हैरी केन को इंग्लैंड का कप्तान और आर्सेनल के मिडफील्डर डेक्लान राइस को उप-कप्तान बनाने के फैसले पर भी बात की ।ट्यूशेल ने कहा, 'डेक्लान और हैरी वो दो खिलाड़ी हैं जिनके पास आर्मबैंड है ।हैरी हमारे कप्तान हैं - इसमें कोई शक नहीं । और डेक्लान हमारे दूसरे कप्तान हैं ।जब हैरी कैंप में नहीं थे और वेल्स के खिलाफ नहीं खेले थे, तो हमारे पास एक विकल्प था और मैंने तुरंत डेक्लान को यह जिम्मेदारी देने का फैसला किया ।' इंग्लैंड के कोच ने कहा कि राइस का 'फुटबॉल IQ बहुत अच्छा है ।वह फॉर्मेशन और स्ट्रक्चर, तालमेल और हमारे खेल की लय का ध्यान रखते हैं ।आर्सेनल के साथ उनके दो शानदार सीजन रहे हैं... वह इस समय यूरोप के सबसे अच्छे मिडफील्डरों में से एक हैं और उनमें बहुत आत्मविश्वास है। इसीलिए वह मेरे उप-कप्तान हैं ।' कोच ने यह भी कहा कि इंग्लैंड कैंप में अभी शांत माहौल है ।उन्होंने समझाया, 'तनाव स्वाभाविक रूप से बढ़ेगा, खासकर जब हम कंसास जाएंगे और फिर पहले मैच की तैयारी के लिए चार दिन मिलेंगे ।' इंग्लैंड 17 जून को क्रोएशिया के खिलाफ अपने वर्ल्ड कप अभियान की शुरुआत करेगा ।

अभिमन्यु मिथुन हैं : भारतीय घरेलू क्रिकेट के अद्वितीय रिकॉर्डधारी

मुम्बई ।क्रिकेटर अभिमन्यु मिथुन के नाम घरेलू क्रिकेट में उनके नाम एक ऐसा अद्वितीय रिकॉर्ड दर्ज है, जो किसी अन्य भारतीय खिलाड़ी के पास नहीं है ।वह घरेलू क्रिकेट के तीनों प्रमुख प्रारूपों - रणजी ट्रॉफी, विजय हजारे ट्रॉफी और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में हैट्रिक लगाने वाले एकमात्र भारतीय गेंदबाज हैं ।मिथुन ने अपनी तेज गेंदबाजी से विभिन्न टीमों के खिलाफ यह कमाल किया है ।रणजी ट्रॉफी में उन्होंने उत्तर प्रदेश के विरुद्ध, विजय हजारे ट्रॉफी में तमिलनाडु के खिलाफ और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में हरियाणा के सामने यह उपलब्धि हासिल की ।यह दर्शाता है कि उनकी निरंतरता और विकेट लेने की क्षमता विभिन्न प्रारूपों में कितनी प्रभावी रही ।उनका यह अनूठा रिकॉर्ड उनकी प्रतिभा और समर्पण का प्रमाण है, जिसने उन्हें घरेलू क्रिकेट में एक विशिष्ट स्थान दिलाया ।भारतीय टीम के लिए हालांकि उन्हें ज्यादा अवसर नहीं मिले ।अभिमन्यु मिथुन ने भारत के लिए कुल 4 टेस्ट और 5 एकदिवसीय मैच खेले, जिनमें उन्होंने कुल 12 विकेट अपने नाम किए ।उनका अंतरराष्ट्रीय पदार्पण 2010 में हुआ था, जहां उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ गाले में अपने पहले ही टेस्ट की पहली पारी में 4 विकेट झटके थे ।उसी साल उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अहमदाबाद में एकदिवसीय क्रिकेट में भी कदम रखा ।उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच दिसंबर 2011 में वेस्टइंडीज के खिलाफ था, जिसके बाद उनका भारतीय टीम का सफर थम गया ।अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सीमित अवसरों के बावजूद, अभिमन्यु का घरेलू करियर शानदार रहा ।उन्होंने कर्नाटक के लिए 300 से अधिक फर्स्ट क्लास विकेट लिए, जो उनकी लंबी और प्रभावी करियर का प्रमाण है ।इसके अलावा, उनके नाम टी20 क्रिकेट में एक ओवर में 5 विकेट लेने का असाधारण रिकॉर्ड भी दर्ज है ।यह कारनामा उन्होंने 2019 में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के सेमीफाइनल में हरियाणा के खिलाफ किया था ।उस मैच में उन्होंने पारी के अंतिम ओवर की पहली चार गेंदों पर लगातार चार विकेट लिए और अंतिम गेंद पर पांचवां विकेट लेकर अपनी टीम कर्नाटक को जीत दिलाई ।यह उपलब्धि किसी भी गेंदबाज के लिए अविश्वसनीय मानी जाती है ।

सिंधु जीती, तन्वी ने पांचवीं वरीय खिलाड़ी को हराकर किया उलटफेर

सिडनी (एजेंसी)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु की अगुआई में भारतीय महिला खिलाड़ियों ने बुधवार को यहां ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में प्रभावी प्रदर्शन किया जबकि तन्वी शर्मा भी उलटफेर करने में सफल रहीं। तीसरी वरीय सिंधु, तन्वी, मालविका बंसोड, ईशारानी बरुआ और तान्या हेमंत सभी ने राउंड ऑफ 16 में जगह बनाई। भारतीय पुरुष एकल खिलाड़ियों के लिए हालांकि बुधवार का दिन खराब रहा जब किरण जॉर्ज, थारुन मान्नेपल्ली और क्वालीफायर सनीथ दयानंद पहले दौर में हार के साथ प्रतियोगिता से बाहर हो गए।

सिंधु ने महिला एकल के पहले दौर के एकतरफा मुकाबले में पेरू की इनेस लूसिया कास्टिलो सालाजार को सीधे गेम में सिर्फ 32 मिनट में 21-13, 21-11 से हराया। सिंधु अगले दौर में हमवनत ईशारानी से भिड़ेंगी जिन्होंने एक घंटा तीन मिनट चले कड़े मुकाबले में चीन की हान कियान को 22-20, 10-21, 21-14 से शिकस्त दी।

दिन का सबसे बड़ा उलटफेर 17 साल की तन्वी ने किया जिन्होंने पांचवीं वरीय और दुनिया की 11वें नंबर की खिलाड़ी चीनी ताइपे की च्यु पिन चियान को 45 मिनट में 21-12, 22-20 से शिकस्त दी। दुनिया की 36वें नंबर की खिलाड़ी तन्वी अगले दौर में साथी भारतीय खिलाड़ी मालविका से भिड़ेंगी जिन्होंने पहला गेम गंवाने के बाद वापसी करते हुए थाईलैंड की तोंरुंग सेहेंग को 15-21, 21-7, 21-13 से हराया।

तान्या ने अमेरिका की इशिका जायसवाल को 39 मिनट में 21-17, 21-18 से हराया। वह अगले दौर में थाईलैंड की दूसरी वरीय और दुनिया की आठवें नंबर की खिलाड़ी पोर्नपावी चोचुवोंग से भिड़ेंगी। पुरुष एकल में किरण को कड़े मुकाबले में मलेशिया के जस्टिन हो के खिलाफ एक घंटा दो मिनट में 19-21, 21-14, 15-21 से हार का सामना करना पड़ा। क्वालीफायर दयानंद भी चीन के हू झिआन के खिलाफ सिर्फ 35 मिनट में 8-21, 10-21 की हार के साथ प्रतियोगिता से बाहर हो गए।

थारुन उलटफेर करने के करीब पहुंचे लेकिन अंततः उन्हें दूसरे वरीय और दुनिया के 10वें नंबर के खिलाड़ी चीनी ताइपे के लिन चुन यी के खिलाफ एक घंटा 20 मिनट में 21-18, 13-21, 23-25 से शिकस्त झेलनी पड़ी। मिश्रित युगल में ध्रुव रावत और मनीषा के ने लिन जेडन और विक्टोरिया जोनाडी की ऑस्ट्रेलिया की जोड़ी को 27 मिनट में 21-13, 21-14 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। मोहित जगलान और लक्षिता जगलान को हालांकि गुओ शिन वा और चेन फेंग हुइ की चीन की दूसरी वरीय जोड़ी के खिलाफ सिर्फ 20 मिनट में 6-21, 5-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी।

फरहान की कप्तानी में 2026 एशियाई खेलों में उतरेगी पाकिस्तान टीम, बाबर, रिजवान सहित चार अनुभवी खिलाड़ियों को नहीं मिली जगह

लाहौर ।युवा बल्लेबाज साहिबजादा फरहान की कप्तानी में पाकिस्तान क्रिकेट टीम आगामी एशियाई खेलों में उतरेगी। एशियाई खेल जापान के आइची प्रांत और नागोया शहर में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर 2026 तक आयोजित किए जाएंग। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इन खेलों के लिए अपनी जो 15 सदस्यी टीम घोषित की है ।उसमें कई अनुभवी खिलाड़ियों को जगह नहीं मिली है ।टीम में बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान, शाहीन अफरीदी और कप्तान सलमान अली आगा को शामिल नहीं किया गया है ।इस प्रकार देखा जाये तो टीम में अधिकतर नये खिलाड़ी हैं ।इसमें चार अनकैप्ड खिलाड़ी भी शामिल हैं। चार खिलाड़ियों ने तो अभी तक टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण तक नहीं किया है ।फरहान को टी20 विश्व कप 2026 में अच्छे प्रदर्शन के कारण कप्तानी दी गयी है ।

तनाव से छुटकारा पाने के उपाय

सबसे जरूरी है कि ऐसी किसी भी परिस्थिति में आप अपनी सोच को सकारात्मक बनाए रखें। इससे आपके आत्मबल में वृद्धि होती है और उस परिस्थिति का सामना करने का आपका नजरिया बदलता है अचानक पैदा हुई मुश्किल से निपटने के लिए मानसिक तौर पर भी मजबूत रहते हैं। सकारात्मक सोच से इससे बेहतर तरीके से निपटा जा सकता है।

- तनाव दूर करने के लिए मद्यपान, धूम्रपान आदि न करें।
- जीवन के प्रति सकारात्मक रुख अपनाएं।
- बदले की भावना, गुस्से और डर आदि से और अधिक तनाव पैदा होता है, इन्हें त्यागें।
- स्वयं की जीवन शैली में बदलाव तनाव से छुटकारा पाने में सहायक हो सकते हैं।
- यदि स्ट्रैस लगातार बढ़ता है तो हैल्थ प्रोफेशनल्स से सलाह करें।
- अधिक तनाव से आपका व्यक्तित्व प्रभावित होता है।
- शारीरिक, भावनात्मक रूप से बदलाव के लिए खुद को तैयार रखें।
- तनाव को दूर भगाने के लिए हंसी बेहद कारगर है। इससे हाइपरटेंशन कम होता है, व ब्लड प्रैशर भी कम होता है।
- हंसी शरीर के प्राकृतिक पेन किलर्स- एन्डोर्फिन्स को गतिशील करती है।
- श्वास प्रक्रिया, प्राणायाम व अन्य योग क्रियाएं करें। ध्यान लगाने का अभ्यास करें।
- स्वयं को रिफ्रेश, रिएनर्जाइज व री-मोटिवेट करने के लिए परिवार के संग क्वालिटी टाइम बिताएं।
- दैनिक कार्यों की सूची तैयार करें और उनकी प्राथमिकताएं तय करें, व्यावहारिक रूपरेखा तैयार कर कार्य पूर्ण करें।
- यदि कम्पनी इजाजत दे तो कार्य के दौरान पसंदीदा गाने सुनें, सह-कर्मचारियों को असुविधा न हो इसके लिए हैड-फोन इस्तेमाल करें। संगीत को एक बेहतरीन स्ट्रेस रिलीवर माना जाता है।
- ऑफिस में काम पर ध्यान दें। गॉसिप्स आदि से जॉब-स्ट्रैस बढ़ता है आफिस में घरेलू परिचर्चा न करें,यदि कोई सह-कर्मचारी गॉसिप्स में व्यस्त रखना चाहे तो या तो उस स्थान पर न ठहरें अथवा ऐसा कोई वक्तव्य न दें जिससे किसी की भावनाओं को ठेस लगे। सभी अफवाहों आदि पर ध्यान देने व जानकारी रखने से स्ट्रैस बढ़ता है।

हेल्थ प्लस

कुछ बातें सेहत की

हमारा शरीर 16 तत्वों से बना होता है। इन तत्वों का अनुपात सही रहना चाहिए। आहार के रूप में मनुष्य के शरीर का निर्माण करने वाले ये यौगिक पदार्थ प्रोटीन, कार्बोज, वसा और खनिज लवण इन चार वर्गों में विभक्त किए गए हैं। आइए, इनके महत्व व सेवन के बारे में जानें।

प्रोटीन : यह शरीर को शक्ति देता है व रक्त का निर्माण करता है। श्रम के कारण होने वाले क्षय की पूर्ति करता है। ऑक्सीजन ग्रहण करके उसे शरीर के सभी भागों में पहुँचाता है। इसके लिए दूध, घी, दालें, सेम व मटर का सेवन करना चाहिए।

वसा : शरीर को शक्ति और ऊष्णता प्रदान करता है।

कार्बोज : हमारे शरीर की मांसपेशियाँ इसी के बल पर कार्य करती हैं। गेहूँ, चावल, जौ, बाजरा, आलू, अमरूद, केला, खजूर, मुनक्का, किशमिश, गुड़, चीनी तथा अन्य मीठे पदार्थों में यह पाया जाता है।

खनिज लवण : शरीर को ये क्षार प्रदान करते हैं, जो अम्लता को कम करते हैं तथा शरीर की रक्षा करते हैं। प्राकृतिक रूप में साग, तरकारियाँ, दूध व फलों में ये उपस्थित होते हैं।

अंकुरित अनाज : यह उत्तम स्वास्थ्यवर्धक आहार है। इनसे मोटापा भी घटता है व जीवनशक्ति बढ़ती है। शरीर के लिए आवश्यक सभी तत्व इनसे मिल जाते हैं।

बातें काम की

- सुबह का नाश्ता अनिवार्य रूप से करें, जो पौष्टिक हो। दोपहर का भोजन सामान्य तथा रात्रि भोजन हल्का लें।
- भोजन के तुरंत पहले व बाद में पानी न पिएँ और नीबू मिला जल दिन में प्रचुर मात्रा में लें।
- भूख न होने पर खाना न खाएँ। भोजन में तेल-घी की मात्रा सीमित रखें।
- पानी ज्यादा पिएँ। कम से कम दिनभर में 8-10 गिलास। कम पानी पीने वालों को कब्ज तथा अन्य दिक्कतें हो सकती हैं। जल रक्त को तरल बनाता है।
- सुबह उठते ही 1 गिलास ताँबे के लोटे का कुनकुना पानी पिएँ।
- रात को सोते समय 1 गिलास कुनकुने पानी में नीबू डालकर पिएँ।
- रोटी कम खाएँ। सब्जी-फलों का सेवन अधिक करें।
- भोजन के बाद तुरंत नहीं सोएँ। खाना खाकर 40-50 कदम टहलें, फिर सोने जाएँ।
- सुबह-शाम नियमपूर्वक शक्ति अनुसार खुली हवा में तेज चलकर टहलें या हल्का व्यायाम करें।

भुट्टा खाओ, सेहत बनाओ

वर्षा की फुहारों में गरमा-गरम भुट्टे और उसके विविध व्यंजन खाने का एक अलग ही मजा है। भुट्टा ग्रेमिनी कुल का एक प्रसिद्ध धान्य है।

आयुर्वेद के अनुसार कच्ची मक्का का भुट्टा तृप्तिदायक, वातकारक, कफ, पित्तनाशक, मधुर और रुचि उत्पादक अनाज है। भुट्टे में पौष्टिक तत्व कार्बोहाइड्रेट प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। इसमें मुख्य रूप से प्रोटीन होता है। हालाँकि इस प्रोटीन को अपूर्ण प्रोटीन माना गया है क्योंकि इसमें शरीर के लिए आवश्यक अमीनो अम्ल जैसे ट्रिप्टोफेन, सिस्टीन तथा मिथियोनिन आदि अल्प मात्रा में होते हैं। सौ ग्राम भुट्टे के दानों से 343 किलो कैलोरी ऊर्जा प्राप्त होती है। भुट्टे के 100 ग्राम दानों (कच्ची मक्का) में निम्न पोषक तत्वों की मात्रा, खनिज एवं विटामिन पाए जाते हैं।

पोषक तत्वों की मात्रा

खनिज लवण 1.5 प्रश, रेशा 2.7 प्रश, वसा 3.6 प्रश, प्रोटीन 11.1 प्रश, नमी 14.9 प्रश, कार्बोहाइड्रेट 66.2 प्रश ऊर्जा 343 किलो कैलोरी।

खनिज एवं विटामिन

आयरन 2.3 मि. ग्राम, कैल्शियम 10.0 मि.ग्राम, फास्फोरस 3.48 मि.ग्राम, केरोटिन 90 माइकोग्राम, थायमिन 0.42 मि.ग्रा, राइबोक्लेविन 0.10 मि.ग्राम, फोलिक एसिड 20 माइक्रो ग्राम।

औषधीय गुण

- मक्का के ताजे दानों को पानी में अच्छी तरह से उबालकर उस पानी को छानकर शहद या मिश्री मिलाकर सेवन करने से गुर्दों की कमजोरी दूर होती है।
- मक्का के दाने भूनकर खाने से पाचन तंत्र के रोग दूर होते हैं।
- भूना हुआ भुट्टा खाने से दाँत एवं दाढ़ मजबूत होते हैं, तथा ये दाने लार बनाने में भी सहायक हैं, जिससे मुख व दाँतों की दुर्गंध भी दूर होती है।
- मक्का के दानों को जलाकर उसकी राख में सेंधा नमक एवं पानी मिलाकर पीने से खाँसी एवं पथरी रोगों में लाभ होता है।
- भुट्टे के भूने हुए नरम मुलायम दाने हृदय रोगियों के लिए एक अच्छा आहार है, क्योंकि इसमें वसा की मात्रा बहुत ही कम होती है। इसका उपयोग उचित मात्रा में करने से शरीर में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा नियंत्रित रहती है।
- मक्का के ताजे पत्तों को पीसकर सिर पर लेप करने से सिरदर्द दूर हो जाता है।
- वर्षा की फुहारों में भुट्टे के दानों से बना हलवा खाने से अमाशय को बल मिलता है। यह रक्तवर्धक भी है।
- मक्का के आटे से बनी रोटियाँ खाने से खून साफ होता है तथा शरीर बलवान होता है।

सौंदर्य भरे गुण

- चेहरे पर कील, मुँहासे एवं झाइयाँ हो जाने पर मक्का के आटे को पानी में घोलकर अच्छी तरह से फेटकर चेहरे पर हल्के हाथों से मलने से निखार आता है।
- भुट्टे के कच्चे दानों की लुगदी बनाकर ऐड़ियों पर लेप करें। कटी-फटी ऐड़ियाँ फिर से जुड़कर दमकने लगेगी।

कुछ ऐसा भी करें

- अधिक मात्रा में भुट्टों का सेवन करने के पश्चात भोजन नहीं करें, अन्यथा पेट में गैस बनने लगेगी और कब्ज की शिकायत भी महसूस होने लगेगी।
- भुट्टे सेवन के पश्चात एक गिलास छाछ पी लेना बहुत गुणकारी होता है। इससे भुट्टे आसानी से पच जाते हैं।

विटामिन ए

शरीर में सेल और टिशू की ग्रोथ के लिए विटमिन ए जिम्मेदार होता है। शरीर की इम्यूनिटी (रोग प्रतिरोधी क्षमता) को बढ़ाने, आंखों की रोशनी को ठीक रखने के लिए विटामिन ए के सेवन की सलाह दी जाती है। पर महिलाओं को प्रेगनेंसी के दौरान डॉक्टर की सलाह के अनुसार ही विटामिन ए लेनी चाहिए, क्योंकि ज्यादा मात्रा में इसका सेवन होने वाले बच्चे में कोई दोष पैदा कर सकता है। दूध, अंडा, लिवर, मछली का तेल, फल और हरी सब्जियां खास तौर पर गहरे हरे रंग की पत्ते वाली सब्जियां विटामिन ए केअच्छे स्रोत हैं।

दुर्गंधनाशक पुदीना

पुदीना बदबू पैदा करने वाले जीवाणुओं को मारता है। पुदीने की पत्तियां चबाने से मुंह की बदबू दूर होती है, दांत सफेद होते हैं व आप सांसों में ताजगी महसूस करते हैं। यह मसूड़ों को मजबूत बनाता है और दांतों की भी सड़ने से रक्षा करता है। मुंह के छाले व मसूड़ों के दर्द में इसके पानी के कुल्ले करने से आराम मिलता है।

इसका गुण शीतल है। गर्मियों में नींबू-पानी में पुदीना डालकर पीने से ठंडक मिलती है। लू लगने और सिरदर्द होने पर इसे पीसकर ठंडाई की तरह पिलाया जाता है।

गर्म पानी में नमक व पुदीने की पत्तियां डालकर गरारे करने से गले की खराश में आराम मिलता है। पुदीना खाने से भूख लगनी शुरू हो जाती है। भारी भोजन के बाद पुदीना की पत्ती खाने से खाना हज्म हो जाता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में संक्रियता रहेगी। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-5-8-9

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-4-6-7

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा

जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। परिवारजनों के सहयोग से काम बनाना आसान रहेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। थाड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। शुभ कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। शुभांक-3-6-9

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

परिवारजन का सहयोग व समन्वय से काम बनाना आसान करेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। बौद्धिक उलझनें बनी रहेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। शुभांक-5-7-8

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ मिलेगा। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। शुभांक-2-6-9

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-2-5-7

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-6-9

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-5-7-9

धनु — ये यो भा भी भू

महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)

सलाहकार संपादक: रिजवान सैफ खान

सह संपादक: मोहम्मद दानिश फारुकी ,

सह संपादक: राम सिंह यादव उपसंपादक राकेश द्विवेदी

उक्त सभी पद अवैतनिक है

काकुरो पहेली - 3911

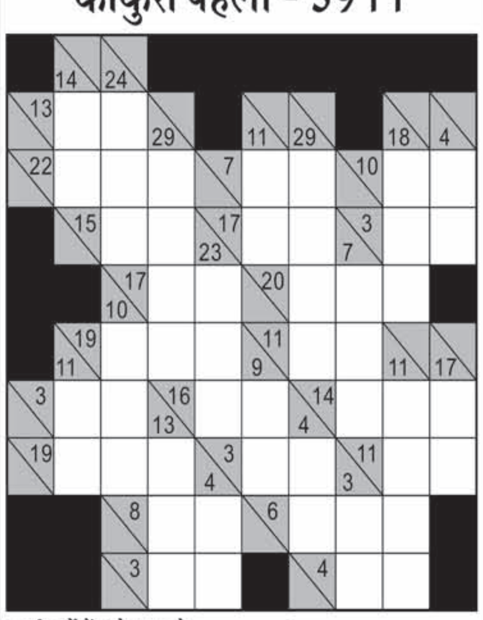

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

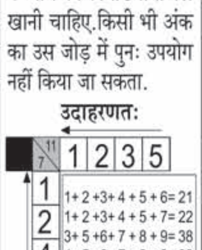

काकुरो - 3910 का हल

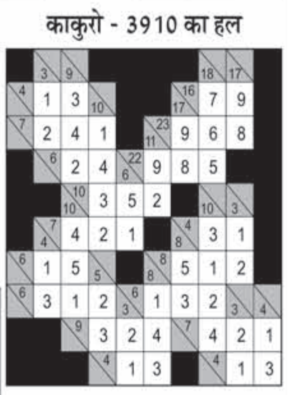

हंसी के फूव्वारें

बबलू अपने मित्र को पिछले रविवार का हाल बता रहा था. 'छुट्टी के दिन सुबह ही से मैं अपने बगीचे में काम कर रहा था. अचानक वहां मुझे एक सिक्का मिल गया. मैंने उसे उठाकर अपनी जेब में रख लिया और दोबारा काम करने लगा. फिर मुझे एक सिक्का मिला,उसे भी मैंने जेब में डाल लिया और काम शुरू कर दिया. तकरीबन दस बार ऐसा ही हुआ.'

मित्र ने दिलचस्पी से पूछा, 'क्यों, क्या कोई खजाना छिपा हुआ था वहां?'

बबलू ने बताया, 'नहीं यार, मेरी जेब फटी हुई थी.'

□ □ □

'अरे यार, आज सड़क पर इतने सारे पेपर क्यों पड़े हैं?'

'भई, ये नगर निगम के इश्तहार हैं. इनमें आम जनता से अपील की गयी है कि सड़कों पर गंदगी न फैलायें.'

□ □ □

एक स्त्री अपने पति को झिड़ककर बोली,'हाय-हाय ! मेरी तो किस्मत ही फूट गयी, जो तुमसे विवाह हुआ. मुझे तुमसे अच्छे और ज्यादा अक्लमंद वर मिल रहे थे.'

पति बोला,'बेशक वे मुझसे ज्यादा अच्छे और अक्लमंद थे. तभी तो तुम्हारे चंगुल में नहीं फंसे.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3911

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, अमृता की 'मैं माटी का गुड्डा' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनी, सुष्मिता की फिल्म-२
५. 'गवाह हैं चाँद तारे' गीतवाली फिल्म-३
७. 'धीरे धीरे आप मेरे दिल में' गीत वाली आमिर, जूही की फिल्म-२
९. धर्मेन्द्र, सुनीलदत्त, संजय, सनी, रवीना, दिव्या की बहु सितारा फिल्म-३
१०. 'कोयल सी तेरी बोली' गीत वाली फिल्म-२
११. 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, फरहा की फिल्म-३
१२. 'फूल माँगूं ना' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'आजा जाने जाँ' गीतवाली सुनील शेट्टी, सोमी अली की फिल्म-२
१६. 'दिल के टुकड़े टुकड़े' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'इलाहाबाद में पैदा हुई' गीत वाली देव आनंद, हेमा की फिल्म-४
२२. जीतेंद्र, संजयदत्त, जूही की 'ढूंढ रही थी' गीत वाली फिल्म-४
२५. सनी वाली फिल्म 'जाल' में तब्बू के साथ दूसरी नायिका-२
२६. दिलीप, रेखा, ममता की फिल्म-२
२७. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली संजय, सलमान, रवीना की फिल्म-२
२९. 'नशा ये प्यार का नशा है' गीत वाली फिल्म-२
३०. अल्ताफ रजा के गीत 'पीलो प्यार दी विस्की' वाली फिल्म-२
३१. सनी देओल, अमीषा की फिल्म-३
३३. 'राजा की आएगी बारात' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
३५. अमिताभ, परवीन की 'आदमी जो कहता है' गीत वाली फिल्म-४
३६. 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'हय्या हू' गीत वाली गोविंदा, ऐश्वर्या की फिल्म-४
२. एलबम 'मैं भी मैडोना' का गायक ?-२
४. 'शहर की लड़की' गीत वाली फिल्म-३
५. नासिर खान, मीनाकुमारी की फिल्म-३
६. अमिताभ वाली 'याराना' की नायिका ?-२
८. 'कुर्बानी' में फिरोज की नायिका ?-३
१३. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली फिल्म-३
१४. अनिल, जूही, करिश्मा की फिल्म-३
१५. अरविंद स्वामी, मधु की 'दिल है छोटा सा' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारूख, पूनम की फिल्म-२
१९. 'एहसास' में सुनील शेट्टी की नायिका-२
२०. फिल्म 'मदर इंडिया' में शीर्षक भूमिका किसने की थी ?-३
२१. अनिल, मीनाक्षी की 'जिंदगी हर कदम' गीत वाली फिल्म-२,२
२३. गोविंदा, नीलम की 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'झूठे नैना बोले' गीत वाली फिल्म-३
२७. उमादेवी के गाये 'अफसाना लिख रही हूँ' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'तितली उड़ी' गीत राजेंद्रकुमार की किस फिल्म का है-३
२९. जीतेंद्र, रणधीर, राकेश, रेखा की फिल्म-३
३०. 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीतवाली फिल्म-३
३२. विवेक, दीया मिर्जा की फिल्म-२
३४. अमिताभ की 'खाइके पान' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3910

सूडोकु -3911

		6	4		5	8		
9				1				7
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
3				8				9
		8	6		9	5		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु - 3910 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

शब्द पहेली - 3911

बाएँ से दाएँ

1.जाति,समाज,बुंधता-4
3.स्वयंवर माला,जीत-4
6.चूहे का घर-2
7.स्थिर,टिका हुआ-3
8.पार्थिव देह,लाश-2
10.सुवासित करना-4
11.थोड़ा,कम-2
13.मोटा आटा,दानेदार-4
15.गौरव,अभिमान-3
17.विष्णु,नारायण-4
20.वाहन,गाड़ी,जहाज-2
21.होशियार,दक्ष-3
23.उचित,सही-3
25.जया भादुड़ी व अमिताभ की फिल्म-2
26.करिश्मा,करतब-4
29.भर्त्सना,धिक्कार-3
31.गुलाम,परतंत्र-4
32.बेल,लतिका-2
34.आश्चर्य-4
35.नांद,टप-2
37.मग्नता-3
39.मछली-2
40.कुशलपूर्वक,सुरक्षित-4
41.मित्रतापूर्ण-4

ऊपर से नीचे

1.विधेयक,देयक-2
2.विजयादशमी-4
3.जीत,विजय-2
4.जुड़वा-3
5.शव,मृत शरीर-2
6.बंधु,सजातीय,भाई-4
7.एक आंख वाला-2
9.मौजूदा,आधुनिक-4
10.मदमस्त-4
12.धुन,लय,सुर-2
14.इच्छा,कामना-2
16.सुर साधना-3
18.भगवान कृष्ण का गरीब मित्र-3
19.छुट्टी,अवकाश-2
21.अच्छे कुल का-3
22.भाग्य (अंग्रेजी-2)
24.यम,मृत्यु का देवता-4
25.अपमिश्रण, खोट-4
27.निशा,रात्रि-2
28.कहासुनी,कलह-4
30.तल्ला,पैंदा-2
31.गुलामी,पराश्रित-4
33.शिक्षा(उर्दू-3)
34.अदा करना,चुकाना-2
36.एक सवारी गाड़ी-2
38.झुका हुआ-2
39.दोस्त,सखा-2

शब्द पहेली -3910 का हल

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी